RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 161 ● भिलाई, बुधवार 31 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

गोवा क्लब के मालिक लूथरा बंधु जेल में मनाएंगे नया साल

पणजी। गोवा के बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब के मालिक गौरव और सौरभ लूथरा का नया साल जेल में होगा। सोमवार को गोवा की कोर्ट ने उन्हें 9 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इससे पहले कोर्ट ने आरोपियों को 2 बार पुलिस की हिरासत में भेजा था। पूछताछ के बाद अब उनको जेल भेजा गया है। मामले में पुलिस नाइट क्लब के संचालन और प्रबंधन से जुड़े विभिन्न व्यक्तियों की भूमिका की पड़ताल कर रही है। गोवा के अरपोरा स्थित नाइट क्लब में 6 दिसंबर की रात आतिशबाजी की वजह से भीषण आग लग गई थी, जिसमें 5 पर्यटक और 20 कर्मचारियों की मौत हो गई थी। घटना के कुछ घंटे बाद ही क्लब के मालिक गौरव लूथरा और सौरभ लूथरा थाईलैंड के फुकेत फरार हो गए थे, जिन्हें वहां से निर्वासित कर भारत लाया गया। मामले में अब तक 8 लोग गिरफ्तार हो चुके हैं।

महिला होम गार्ड की मौत के मामले में एसआई के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी

कोलकाता पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में महिला होम गार्ड की रहस्यमयी मौत के मामले में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। कैनिंग थाने में तैनात सब इंस्पेक्टर सायन भट्टाचार्य के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन किया गया है, जबकि आरोपित पुलिस अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार, मृत महिला होम गार्ड की पहचान रेशमी मोल्ला के रूप में हुई है, जिन्हें गुलजान परवीन मोल्ला के नाम से भी जाना जाता था। उनका शव शनिवार को कैनिंग स्थित पुलिस आवासीय परिसर के एक कमरे में फंदे से लटका मिला था। रेशमी कैनिंग ब्लॉक 2 के अंतर्गत जीवनतला थाना क्षेत्र के उत्तर मौखाली इलाके की रहने वाली थीं। महिला के परिवार ने आरोप लगाया है कि सब इंस्पेक्टर सायन भट्टाचार्य की रेशमी की मौत में भूमिका है। परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया है। घटना के बाद से ही आरोपित पुलिस अधिकारी लापता है और उसकी गिरफ्तारी के लिए तलाश अभियान चलाया जा रहा है।

फैक्ट्री के अंदर शॉटगन से ली जान, कटघरे में यूनुस सरकार

बांग्लादेश में फिर एक और हिंदू शख्स की गोली मारकर हत्या

ढाका/ एजेंसी

बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में एक कपड़ा फैक्टरी के भीतर सोमवार शाम एक 40 वर्षीय हिंदू मजदूर की गोली लगने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह घटना सहकर्मी द्वारा कथित तौर पर गलती से चली गोली के कारण हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फैक्टरी परिसर में काम के दौरान हथियार से अचानक फायर हो गया, जिसकी चपेट में बजेंद्र बिस्वास आ गया। घायल अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह घटना मयमनसिंह के भालुका उपजिला के मेहराबाड़ी इलाके में सोमवार, 29 दिसंबर की शाम करीब 6:45 बजे मेहराबारी इलाके में स्थित सुल्ताना स्वेटर्स लिमिटेड में हुई। पीड़ित बजेंद्र बिस्वास, फैक्टरी की सुरक्षा के लिए तैनात एक अंसार सदस्य थे। वह सिलहट सदर के कादिरपुर गांव के रहने वाले थे। पुलिस ने बताया कि गोली मारने का आरोपी 22 साल का नोमान मियां को गिरफ्तार कर लिया गया है। बता दें कि इससे पहले मयमनसिंह जिले में ही दीपू चंद्र दास की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। बांग्लादेश में हाल ही अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। पुलिस के मुताबिक, बजेंद्र बिस्वास और नोमान मिया, दोनों फैक्टरी परिसर के भीतर बने अंसार बैरक में तैनात थे। चश्मदीदों के मुताबिक, उस समय फैक्टरी में करीब 20 अंसार कर्मी ड्यूटी पर थे। बताया जा रहा है कि बजेंद्र बिस्वास और नोमान

मियां परिसर के अंदर एक साथ बैठे थे। बातचीत के दौरान, नोमान मियां ने कथित तौर पर मजाक में बिस्वास पर सरकारी शॉटगन तान दी। तभी अचानक से गोली चल गई। गोली बिस्वास की बाईं जांघ में लगी, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं और बहुत ज्यादा खून बहने लगा। इससे पहले शनिवार को राजबारी जिले में अमृत मंडल नाम के हिंदू शख्स को पीट-पीट कर मार डाला गया था। 18 दिसंबर को इसी भालुका इलाके में दीपू चंद्र दास नामक हिंदू युवक को कथित तौर पर पीट-पीटकर, निर्वस्त्र कर और जिंदा जलाकर मार डालने की घटना सामने आई थी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं को निशाना बनाए जाने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले मैमनसिंह की ही एक फैक्ट्री से दीपू चंद्र दास को भीड़ घसीटते हुए सड़कों पर ले गई थी और पीट-पीट कर मार डाला था। मानवता को शर्मसार करने वाली उस घटना में दीपू के शव को पेड़ से बांधकर चौराहे पर आग लगा दी गई थी। दीपू के बाद अमृत मंडल की भी भरे बाजार में भीड़ द्वारा पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी।

यूनुस सरकार पर गंभीर प्रश्न

इन हत्याओं के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की कार्यशैली और कानून-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं। अमृत मंडल की हत्या के मामले में सरकार ने इसे सांप्रदायिक हिंसा मानने के बजाय पीड़ित को ही 'उगाही करने वाला अपराधी' बताकर पल्ला झाड़ लिया था। सरकार का दावा था कि वह व्यक्ति लोगों को परेशान कर रहा था इसलिए भीड़ ने उसे मारा। अब बजेंद्र बिसवास की हत्या के बाद एक बार फिर दुनिया की नजरें यूनुस सरकार के अगले कदम पर टिकी हैं। क्या इस बार भी सरकार किसी बहानेबाजी का सहारा लेगी या पीड़ितों को न्याय मिलेगा? मैमनसिंह में हुई इस घटना ने साफकर दिया है कि वहां अल्पसंख्यकों के लिए स्थितियां कितनी भयावह हो चुकी हैं और कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

पश्चिम बंगाल 2026 में बीजेपी सरकार!

बंगाल को घुसपैठ मुक्त कर बदलेंगे पहचान-अमित शाह

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर अपना हमला तेज करते हुए उन पर पड़ोसी बांग्लादेश में अशांति और घुसपैठ की बढ़ती चिंताओं के बीच सीमा पर बाड़बंदी रोकने का आरोप लगाया। ये टिप्पणियां 2026 में होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले आई हैं, जिनमें शाह ने राज्य में आक्रामक राजनीतिक रुख अपनाने का संकेत दिया है। शाह ने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा

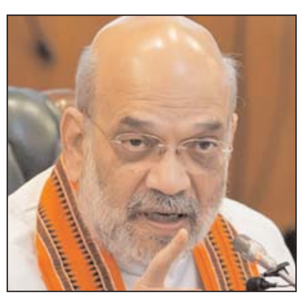

कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार में भ्रष्टाचार के कारण पश्चिम बंगाल का विकास रुक गया है। मोदी द्वारा शुरू की गई सभी लाभकारी योजनाएं यहां टोल सिंडिकेट की शिकार हो गई हैं। पिछले 14 वर्षों से डर और भ्रष्टाचार पश्चिम बंगाल की पहचान बन गए हैं। 15 अप्रैल, 2026 के बाद, जब पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनेगी, तब हम बंगाल की विरासत और संस्कृति को पुनर्जीवित करने का कार्य शुरू करेंगे। यह 'बंगा भूमि' हमारे लिए बहुत महत्व रखती है क्योंकि भाजपा का गठन डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने किया था, जो यहां के एक बड़े नेता थे। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा और असम में घुसपैठ रुक गई है, जबकि पश्चिम बंगाल में यह जारी है। शाह ने दावा किया कि ममता बनर्जी राजनीतिक उद्देश्यों के लिए घुसपैठ जारी रखना चाहती हैं।

भारत में ईसाइयों की तकलीफें खत्म हों: मिजोरम कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष

इंफाल। मिजोरम कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लाल थंजारा ने मांग की है कि भारत में ईसाइयों की तकलीफें खत्म हों। दुनिया भर में ईसाई खुशी से क्रिसमस मनाते हैं। यह बहुत शर्म की बात है कि भारत में भाजपा से जुड़े संगठन क्रिसमस सेलिब्रेशन पर हमला कर रहे हैं, उसे रोक रहे हैं। उन्होंने कहा कि मिजोरम कांग्रेस कमेटी क्रिसमस की सजावट को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने और क्रिसमस कैरोल में हिंसक रुकावट डालने की कड़ी निंदा करती है। क्रिसमस सेलिब्रेशन में हिस्सा लेने पर बच्चों पर हमले की खबरें चौंकाने वाली हैं और किसी भी सभ्य समाज में इसे मंजूर नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी घटनाएं अकेली नहीं हैं।

पहलगाम हमला केंद्र ने करवाया?

दीदी ने मोदी और शाह को बताया दुर्योधन-दुशासन....

नई दल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल में 2026 विधानसभा चुनाव से पहले सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बांकुड़ा की रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने भाजपा के दोनों शीर्ष नेताओं पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह की तुलना महाभारत के खलनायक दुर्योधन और दुशासन से कर दी है। इतना ही नहीं, शाह द्वारा बंगाल में आतंकी नेटवर्क के आरोप पर

पलटवार करते हुए ममता ने पहलगाम हमले को लेकर केंद्र सरकार से सीधा सवाल पूछ लिया है। ममता बनर्जी ने बिरसिंहपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि शकुनि का शिष्य दुशासन बंगाल में सिर्फ जानकारी इकट्ठा करने आया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जैसे ही चुनाव नजदीक आते हैं, दुर्योधन और दुशासन यहां दिखाई देने लगते हैं। दरअसल, अमित शाह राज्य के तीन दिवसीय दौरे पर हैं और उन्होंने घुसपैठ को लेकर ममता सरकार को घेरा था। इसी के जवाब में तृणमूल प्रमुख ने यह कड़ा रुख अपनाया है और साफ कर दिया है कि वे भाजपा के आरोपों के सामने झुकने वाली नहीं हैं। अमित शाह ने आरोप लगाया था कि राज्य में आतंकी नेटवर्क चल रहे हैं और घुसपैठ बेतहाशा बढ़ रही है।

दिग्विजय ने की आरएसएस की तारीफ

तो सीएम यादव ने दिया बीजेपी में आने का न्योता

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश की राजनीति में उस वक्त हलचल मच गई जब मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह को भाजपा में शामिल होने का निमंत्रण दे दिया। यह अप्रत्याशित प्रस्ताव दिग्विजय सिंह द्वारा संघ की संगठनात्मक क्षमता और जमीनी कार्यकर्ताओं की मेहनत की तारीफ करने के बाद आया है।पूरा घटनाक्रम तब शुरू हुआ जब दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पुरानी और प्रभावशाली तस्वीर साझा की। इस फोटो में वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीचे फर्श पर बैठे नजर आ रहे हैं, जबकि उनके पीछे भाजपा के

दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी कुर्सी पर आसीन हैं। दिग्विजय सिंह ने इस पोस्ट के माध्यम से संगठन की शक्ति को रेखांकित करते हुए लिखा कि किस प्रकार एक जमीनी स्वयंसेवक फर्श से उठकर देश का प्रधानमंत्री बनता है।

दिल्ली में आवारा कुत्तों की गिनती करेंगे स्कूल शिक्षक, सरकार ने जारी किए आदेश

नईदिल्ली। दिल्ली सरकार ने स्कूलों समेत राजधानी के सभी शिक्षण संस्थानों को आवारा कुत्तों से संबंधित मामलों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने का आदेश दिया है। यह निर्देश शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी किया गया है और यह सुप्रीम कोर्ट के आदेशों से जुड़े व्यापक जन सुरक्षा अभियान का हिस्सा है। इसी तरह राजधानी के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में तैनात शिक्षकों को आवारा कुत्तों की गिनती की जिम्मेदारी सौंपने को भी कहा गया है। शिक्षा निदेशालय की कार्यवाहक शाखा द्वारा जारी एक परिपत्र के अनुसार, जिला शिक्षा अधिकारियों को अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी विद्यालयों, स्टेडियमों और खेल परिसरों से मनोनीत नोडल अधिकारियों का विवरण एकत्र करने का कार्य सौंपा गया है।

उत्तर भारत के कई इलाकों में कर्फ्यू जैसे हालात नजर आए

देश भर में कोहरे का कहर!75 से अधिक ट्रेनें चल रहीं लेट,एयरपोर्ट पर भी यात्री बेहाल.....

नई दिल्ली। घने कोहरे के कारण आज उत्तर भारत के कई इलाकों में कर्फ्यू जैसे हालात नजर आए। मौसम विभाग के अलर्ट के बीच सड़कों पर गिने-चुने वाहन ही चलते दिखे, जबकि ट्रेनें बेहद धीमी रफ्तार से चलती रहीं। दिल्ली एयरपोर्ट समेत जयपुर, लखनऊ और गोरखपुर एयरपोर्ट पर उड़ानों में देरी की खबरें सामने आई हैं। दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में 30 दिसंबर को घने कोहरे को लेकर जारी ऑरेंज अलर्ट का असर हर जगह दिखाई दिया। दिल्ली में 31 दिसंबर तक ऐसे ही हालात बने रहने की संभावना है, जबकि 1

जनवरी को बादल छाने के साथ हल्की बारिश हो सकती है। उत्तर प्रदेश में नोएडा, गाजियाबाद और पश्चिमी यूपी के कई शहरों में घने कोहरे की सफेद चादर ने जनजीवन को प्रभावित किया। यूपी में कोहरे को लेकर येलो अलर्ट जारी है और 30 से ज्यादा जिलों में नो विजिबिलिटी की चेतावनी दी गई है। 30 दिसंबर 2025 को मौसम विभाग द्वारा जारी सैटेलाइट इमेज के मुताबिक पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, दक्षिणी उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दक्षिणी नेपाल, बिहार, उत्तरी मध्य प्रदेश, उत्तरी झारखंड, पूर्वी ओडिशा, पश्चिम बंगाल, दक्षिणी सिक्किम, असम, मेघालय, त्रिपुरा और बांग्लादेश में घना कोहरा और बादलों की मोटी परत छाई हुई है। कई जगहों पर दृश्यता लगभग शून्य है। मौसम विभाग ने पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 31 दिसंबर तक घने से बहुत घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में 1 जनवरी 2026 तक कोहरे की चेतावनी है।

छग विधायक की पत्नी पर जानलेवा हमला

दोनों हाथों की नसें कटीं,गले पर गहरे घाव

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बस्तर से विधायक लखेश्वर बघेल की पत्नी पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है. हमले में उनके दोनों हाथों की नसें कट गई हैं, जबकि गले पर भी धारदार हथियार से चोट के गहरे निशान पाए गए हैं. इस घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है. जानकारी के अनुसार, घटना के बाद आज सुबह करीब 8 बजे घायल महिला को महारानी अस्पताल लाया गया. अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल आईसीयू में भर्ती कर लिया. अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, उनकी हालत अब भी नाजुक बनी हुई है और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है. डॉक्टरों का कहना है कि हाथों की नसें कटने से अत्यधिक रक्तस्राव हुआ है और गले पर लगी चोट भी गंभीर है. फिलहाल प्राथमिक उपचार के बाद आगे की सर्जिकल प्रक्रिया पर विचार किया जा रहा है. अस्पताल पहुंचने के बाद जब नर्सिंग स्टाफ ने घायल महिला से बातचीत करने की कोशिश की, तो वह बोलने की स्थिति में नहीं थीं. उनकी हालत को देखते हुए नर्सों ने उनसे कागज पर लिखकर बताने

को कहा कि आखिर उनके साथ क्या हुआ. इस दौरान उन्होंने सिर्फ एक शब्द लिखा भतीजा. इस एक शब्द ने पूरे मामले को और अधिक रहस्यमय बना दिया है. अब पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि इस शब्द का क्या अर्थ है और क्या घटना में परिवार से जुड़ा कोई व्यक्ति शामिल हो सकता है. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी अस्पताल पहुंचे और जांच शुरू कर दी गई. अस्पताल परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था या अप्रिय स्थिति से बचा जा सके. पुलिस परिजनों, करीबी रिश्तेदारों और घटनास्थल से जुड़े लोगों से पूछताछ कर रही है. साथ ही यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है। कि घटना के समय घर में कौन-कौन मौजूद था और हमला किस परिस्थिति में हुआ. जानकारी के अनुसार यह घटना सुबह करीब 8 बजे की बताई जा रही है। किसी अज्ञात व्यक्ति ने विधायक लखेश्वर बघेल की पत्नी पर चाकू से हमला कर दिया। हमले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

बयान में सिर्फ एक शब्द लिखा-भतीजा

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जब विधायक की पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनसे घटना के बारे में पूछताछ की गई, तो उन्होंने कागज पर केवल भतीजा शब्द लिखा। इसके बाद उनकी हालत और बिगड़ गई, जिससे पुलिस को उनका पूरा बयान नहीं मिल सका। इस शब्द को पुलिस एक अहम सुराग मानकर जांच कर रही है।

एचडी रेवन्ना को बड़ी राहत

कोर्ट ने यौन उत्पीड़न मामले में किया बरी

नई दिल्ली। कर्नाटक की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया है। बेंगलुरु की अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के बेटे और वरिष्ठ नेता एचडी रेवन्ना को यौन उत्पीड़न के आरोपों से मुक्त कर दिया है। न्यायाधीश ने शिकायत दर्ज करने में हुई अत्यधिक देरी को कानूनी संज्ञान न लेने का मुख्य कारण बताया। अदालत का फैसला और कानूनी तर्क बेंगलुरु की अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत के न्यायाधीश के एन शिवकुमार ने सोमवार को यह फैसला सुनाया। यह मामला हासन जिले

के होलेनारसीपुर टाउन पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (यौन उत्पीड़न) के तहत मामला दर्ज करने या अभियोजन प्रक्रिया शुरू करने में जो चार साल की देरी हुई, उसे अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

C M Y K

पूर्व प्रधानमंत्री अटल का जीवन हमें सिखाता है कि राजनीति सत्ता का नहीं, साधना का मार्ग है : भावना बोहरा

पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्व.अटल का व्यक्तित्व, कृतित्व और नेतृत्व देश के चहुंमुखी विकास के लिए पथ-प्रदर्शक

पंडरिया। भारतीय जनता पार्टी केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व.अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म जयंती के अवसर पर अटल स्मृति सम्मलेन का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में पंडरिया विधानसभा अंतर्गत यज्ञ स्थल, कुण्डा में विधानसभा स्तरीय अटल समिति सम्मलेन का आयोजन किया गया। आयोजन में राजनांदगांव सांसद संतोष पाण्डेय, विधायक भावना बोहरा, जिला भाजपा अध्यक्ष राजेन्द्र चंद्रवंशी, कबीरधाम जिला संगठन प्रभारी महेश वर्मा ने स्व.अटल के छायाचित्र में पुष्पांजलि अर्पित कर सम्मलेन का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर राजनांदगांव सांसद संतोष पाण्डेय ने संबोधित करते हुए कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने न केवल भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया, बल्कि विदेश मंत्री और संसद की विभिन्न महत्वपूर्ण स्थायी समितियों के अध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और विपक्ष के एक सक्रिय नेता भी रहे। छत्तीसगढ़वासियों की आकाँक्षाओं को उन्होंने पूरा करते हुए इसे अलग राज्य बनाया और आज हमारा प्रदेश निरंतर विकास पथ पर अग्रसर हो रहा है। पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि भारत के राजनीतिक इतिहास में अटल बिहारी वाजपेयी जी का नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित है। वे केवल एक सफल राजनेता ही नहीं, बल्कि एक संवेदनशील कवि, प्रखर वक्ता, दूरदर्शी राजनेता और राष्ट्र को दिशा देने वाले महान चिंतक थे। उनका सम्पूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, लोकतांत्रिक मूल्यों और भारतीय संस्कृति के प्रति समर्पण का जीवंत उदाहरण रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी जी तीन बार भारत के प्रधानमंत्री रहे। उनका नेतृत्व संयम, संवाद और समन्वय का प्रतीक था। चाहे 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षण का साहसिक निर्णय हो या लाहौर बस यात्रा के माध्यम से शांति का संदेश उन्होंने हर अवसर पर भारत की प्रतिष्ठा को विश्व मंच पर सशक्त किया। उनके शासनकाल में स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी अनेक ऐतिहासिक पहलें शुरू हुई, जिन्होंने देश के बुनियादी ढांचे को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि अटल की जन्म-जयंती हम सभी के लिए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का विशेष अवसर है। उनका आचरण, शालीनता, वैचारिक दृढ़ता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का संकल्प भारतीय राजनीति के लिए एक आदर्श मानक है। उन्होंने अपने जीवन से सिद्ध किया कि श्रेष्ठता पद से नहीं, आचरण से स्थापित होती है और वही समाज को दिशा देती है। प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश उन्हीं अटल संकल्पों को लेकर आगे बढ़ रहा है। आज कश्मीर में भारत का तिरंगा शान से फहराया जा रहा है, करोड़ों रामभक्तों की आस्था श्रीराम जन्मभूमि में मंदिर का भव्य निर्माण उन्हीं अटल संकल्पों का प्रतीक है। वैश्विक महाशक्ति की ओर आगे बढ़ता नया भारत अटल की दूरदर्शिता का परिणाम है। आज प्रधानमंत्री जी अटल के सपनों के भारत का निर्माण करने के लिए दिन-रात परिश्रम कर रहें हैं। भावना बोहरा ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ का निर्माण केवल एक प्रशासनिक फैसला नहीं था, यह आस्था, पहचान और अधिकार का सम्मान था। अटल जी ने समझा कि यह भूमि अपनी संस्कृति, अपने संसाधन और अपने विकास की दिशा स्वयं तय करना चाहती है। हमने बनाया है हम ही संवारेंगे, यह एक नार नहीं बल्कि एक संकल्प हैं जिस छत्तीसगढ़ को अटल ने बनाया उसे संवारने का। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह के नेतृत्व में हमारे छत्तीसगढ़ ने 15वर्षों में विकास के कई कीर्तिमान स्थापित किये। बीमारू राज्य कहलाने वाले छत्तीसगढ़ को डॉ.रमन सिंह ने अपनी कुशल नीतियों से विकासशील और सशक्त राज्य के रूप में स्थापित किया, और वर्तमान में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारा छत्तीसगढ़ नई उम्मीदों, आत्मविश्वास और उर्जा के साथ विकास पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। महिला, किसान, युवा हर समाज को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन मिल रहा है। छत्तीसगढ़ की यह विकास यात्रा अटल के सपनों को साकार करने की हमारी प्रतिबद्धता है। इस अवसर पर कबीरधाम जिला अध्यक्ष राजेन्द्र चंद्रवंशी, जिला संगठन प्रभारी महेश वर्मा, मुंगेली के पूर्व जिला अध्यक्ष शैलेश पाठक ने भी कार्यक्रम में उपस्थितजनों को संबोधित किया और अटल बिहारी वाजपेयी जी के राष्ट्र सेवा, सुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों पर प्रकाश डाला। सम्मलेन में पंडरिया विधानसभा के समस्त भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, मंडल अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

भौतिक सत्यापन के नाम पर किसान को परेशान करना बंद करो और धान शार्टेज मामले में विभाग के आलाधिकारी पर भी हो एफआईआर : कांग्रेस

अरावली पर्वत को केंद्र सरकार उत्खनन के लिए सुनियोजित तरीके से बेचने का कर रही है प्रयास : हिरवानी

बालोद। जिला युवा कांग्रेस के नेतृत्व में भाजपा सरकार की कुशासन के खिलाफ जनता को हो रही समस्याओं को लेकर झलमला एनएच-930 तिराहे पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर सांकेतिक सड़कजाम किया गया। इस दिवसीय धरना प्रदर्शन और सांकेतिक सड़क जाम में जिला कांग्रेस कमेटी भी शामिल रही। धरना प्रदर्शन में केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ विभिन्न मुददों को लेकर हल्ला बोला गया। वही राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में प्रमुख रूप से अरावली पर्वत को बचाने के लिए एवं उसके निजीकरण के विरोध में, छत्तीसगढ़ के जल जंगल जमीन को बचाने के लिए, किसानों की धान खरीदी में हो रही समस्या एवं समर्थन मूल्य बोनस एक साथ देने के लिए, उन्नाव रेप केस में आरोपी कुलदीप सिंगर की जमानत याचिका खारिज करने एवं पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए, बालोद जिले में हो रहे डीएमएफ फंड का दुरुपयोग की जांच, जगतरा संग्रहण और धोबनपुरी संग्रहण केंद्र में करोड़ों रुपये का धान शार्टेज का मामले में डीएमओ पर भी एफआईआर और मालीघोरी व फुण्डाभाठा केंद्र में भी शार्टेज की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही, नियमों के विरुद्ध और बिना टेंडर हो रहे कार्य की जांच कर कार्यवाही की मांग की गई। उक्त सभी जन हित के मुददों को लेकर बालोद युवा कांग्रेस ने घोर विरोध जताया। वही उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रपति से अनुरोध करते हुए इन सभी मांगों पर जल्द निर्णय लेकर कार्यवाही की मांग की है, कार्यवाही नही होने के उपरांत भविष्य में बड़े आंदोलन कि राह में बाध्य होने की बात कही है। इस धरना व सांकेतिक सड़कजाम के दौरान जिला कॉंग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चंद्रेश हिरवानी, पूर्व अध्यक्ष चंद्रप्रभा सुधाकर, कृष्णा दुबे, पूर्व नपाध्यक्ष विकास चोपड़ा, जिला पंचायत सदस्य गुलशन चंद्राकर, जिला युवा कांग्रेस के अध्यक्ष प्रशांत बाला बोकड़े, ब्लॉक महिला कांग्रेस कमेटी बालोद की अध्यक्ष लता कोर्राम, रत्तीराम कोसमा, आदित्य दुबे, संदीप साहू, सुमित शर्मा, कसिमुद्दीन कुरैशी, रीता सोनी, दाऊद खान, वैभव साहू, जागृत सोनकर, पद्मिनी नन्नू साहू, अनिल यादव, साजन पटेल, रवि प्रकाश यादव, शंभु साहू, किशोर साहू, शादिक अली, अनिल सुथार, मतीन शेख, उमा पटेल, संजय बारले सहित जिला कांग्रेस कमेटी, जिला युवा कांग्रेस तथा ब्लॉक कांग्रेस के तमाम पदाधिकारी , कार्यकर्ता व क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

धान शार्टेज मामले में आलाधिकारी पर हो एफआईआर

जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष चंद्रेश हिरवानी ने बताया कि युवा कांग्रेस के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन और सड़क जाम किया गया था, दो-तीन प्रमुख मांगे थी, इसके साथ ही जिले के विभिन्न मुददे भी शामिल थे। अरावली पर्वत को केंद्र सरकार उत्खनन के लिए सुनियोजित तरीके से इसे बेचने का प्रयास कर रही है। धान खरीदी कार्य में भौतिक सत्यापन के नाम पर किसानों को परेशान किया जा रहा है, डीएमएफ की राशि में भ्रष्टाचार किया जा रहा है। वही उन्होने आरोप लगाते हुए कहा को धान संग्रहण केंद्र धोबनपुरी और जगतरा में धान शार्टेज मामले में छोटे कर्मचारियों पर एफआईआर दर्ज किया गया, लेकिन विभाग के ऐसे कई अधिकारी है, जिन्हें बचाया जा रहा है, जिसमें सूक्ष्मता से जांच करने की मांग की गई हैं। युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष प्रशांत बोकड़े ने आरोप लगाया कि देश के जो दो नेता है, वो उद्योगपतियों को देश बेचना चाह रहे हैं। हमारी धरोहर बेचना चाह रहे हैं। उसी तरह छत्तीसगढ़ में रामगढ़ की पहाड़ियों को बेचा जा रहा है, जिस तरह न्यायपालिका ने भाजपा विधायक कुलदीप सेंगर को जमानत दी, उसके विरोध में धरना प्रदर्शन किया गया है। साथ ही किसानों को धान बेचने में हो रही परेशानी को लेकर भी व्यवस्थाओं को सुधारने की मांग शासन प्रशासन से की गई हैं।

नियम स्पष्ट—फिर भी चुप्पी क्यों, कवर्धा जिले में स्वास्थ्य विभाग पर गंभीर आरोप, शिकायत दर्ज

कवर्धा। जिले के स्वास्थ्य तंत्र में नियमों की अनदेखी का एक गंभीर मामला सामने आया है। 28 नवंबर को खंड चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पिपरिया, जिला कबीरधाम के कार्यालय में लिखित शिकायत प्राप्त होने के बावजूद अब तक कोई ठोस जांच या कार्रवाई नहीं की गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कुछ मानदेय/संविदा आधारित स्वास्थ्य कर्मी (मितानिन) अपने मूल दायित्वों के अतिरिक्त अन्य शासकीय योजनाओं व विभागीय कार्यो में भी संलग्न रहते हुए एक साथ दो अलग-अलग स्थानों से मानदेय अथवा प्रोत्साहन राशि प्राप्त कर रहे हैं। नियम स्पष्ट हैं कि एक व्यक्ति एक समय में केवल एक ही शासकीय दायित्व और एक ही मानदेय का पात्र होता है। इसके विपरीत यदि दोहरी भुगतान व्यवस्था चल रही है, तो यह छत्तीसगढ़ वित्तीय नियम, सेवा आचरण नियम तथा शासकीय पारदर्शिता के सिद्धांतों का सीधा उल्लंघन माना जाता है। सबसे गंभीर पहलू यह है कि सीएचसी पिपरिया स्थित खंड चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में शिकायत प्राप्त होने की आधिकारिक मुहर और तिथि दर्ज होने के बावजूद किसी प्रकार की विभागीय जांच, कारण बताओ नोटिस या अंतरिम कार्रवाई सामने नहीं आई है। इससे यह सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या शिकायतों को जानबूझकर दबाया जा रहा है या फिर दोषियों को किसी स्तर पर संरक्षण प्राप्त है। सूत्रों का कहना है कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, तो दोहरी मानदेय की वसूली, संबंधित कर्मियों पर विभागीय कार्रवाई तथा वित्तीय अनियमितता के तहत कानूनी प्रक्रिया शुरू हो सकती है। समाचार लिखे जाने तक इस पूरे मामले में खंड चिकित्सा अधिकारी, सीएचसी पिपरिया अथवा जिला स्वास्थ्य प्रशासन कवर्धा की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, एक ही व्यक्ति द्वारा एक साथ दो शासकीय भूमिकाओं में कार्य कर मानदेय लेना वित्तीय कदाचार की श्रेणी में आता है, जिस पर विभागीय दंड के साथ-साथ आपराधिक कार्यवाही भी संभव है।

नगर पंचायत बेरला एवं ग्राम करेली में हो रहे क्रिकेट खेल प्रतियोगिता में पहुंचे आशीष छाबड़ा

बेमेतरा। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा बेरला नगर पंचायत एवं ग्राम करेली में चल रहे क्रिकेट खेल प्रतियोगिता में अतिथि बनकर पहुंचे जहां उन्होंने खिलाड़ियों से उनका परिचय प्राप्त किया और खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल हमारे जीवन का सबसे अभिन्न हिस्सा है। किसी ने किसी रूप में कोई ना कोई खेल हम अपने जीवन में खेलते ही हैं और इस खेल से न केवल हमारे शारीरिक विकास होता है बल्कि इसके माध्यम से हम अपनी संस्कृतियों को भी आदान-प्रदान करते हैं। हमें सामाजिक समरसता की भावना जागृत होती है यहां पहुंचकर आप सभी को खेलता हुआ देखकर मुझे भी खेल की याद आ गई जब कभी मैं भी अपने स्कूल जीवन में क्रिकेट खेल में दिलचस्पी लेकर खेला करता था। इस अवसर पर रवि परगनिहा राजेश दुबे भारत भूषण साहू रास बिहारी कुर्रे पी आर सिन्हा जितेंद्र जोशी राम सिंह गायकवाड अमरनाथ साहू शिबू टेकराम कोमल दयानंद गुलशन प्रीतम राज टिकेश जयप्रकाश किशन प्रवीण दिनेश कुशल टिकेश्वर उपेंद्र राहुल ओमकार उमेश अजय रोशन सहित खिलाड़ी गण व ग्रामवासी उपस्थित रहे।

मरने उपरांत अंगदान का किया पार्षद रश्मि फनेन्द्र मिश्रा बने प्रेरणा स्रोत

बेमेतरा। नगर में मानवता और समाजसेवा की मिसाल पेश करते हुए हमारे नगर के पार्षद रश्मि फनेन्द ने मरने के उपरांत अंगदान किया है उनके इस पुनीत निर्णय से समाज में सकारात्मक संदेश गया है और आमजन को अंगदान के प्रति जागरूक होने की प्रेरणा मिली है। मिश्रा ने कहा कि अंगदान के माध्यम से किसी जरूरतमंद को नया जीवन मिल सकता है और इससे बड़ा कोई दान नहीं हो सकता। उनका यह कदम समाज के लिए प्रेरणादायक है और इससे भविष्य में और लोग भी इस महान कार्य से जुड़ेंगे। नगरवासियों एवं सामाजिक संगठनों ने उनके इस निर्णय की सराहना करते हुए इसे मानवता की सेवा में एक ऐतिहासिक पहल इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने कहा समाज के लिये बड़ा योगदान हम सब प्रेरणा लें सभा पति नीतू कोठारी जिला के अधिकारी सहित मिश्रा परिवार उपस्थित रहे।

20 दिन में बनी सड़क में दरारें, ग्राम पंचायत कुमारदनिया में गुणवत्ता की पोल खुली

कवर्धा। ग्रामीण विकास के नाम पर हो रहे निर्माण कार्यो की सच्चाई एक बार फिर सामने आई है। कवर्धा जिले की ग्राम पंचायत कु. दनिया में बनी सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण पूरा होने के कुछ ही दिनों में दरारों में बदल गई, जिससे काम की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थल पर लगे सूचना फलक के अनुसार यह सड़क वर्ष 2025-26 में बनाई गई है। इसकी कुल लागत 13.56 लाख है। कार्य की शुरुआत 20 मई 2025 को हुई और 8 जून 2025 को इसे पूरा बताया गया, यानी करीब 20 दिनों में सड़क का निर्माण किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क बने ज्यादा समय नहीं हुआ और अब उसमें स्पष्ट दरारें दिखाई दे रही हैं। इससे यह आशंका है कि आने वाले समय में सड़क और खराब हो सकती है। निर्माण विशेषज्ञों के मुताबिक, सी सी सड़क में इतनी जल्दी दरारें आना सही नहीं माना जाता। इसका कारण घटिया सामग्री, सही क्योरिंग न होना, या तकनीकी निगरानी की कमी हो सकता है। अब सवाल यह है कि क्या निर्माण के दौरान गुणवत्ता की जांच हुई। तकनीकी सहायक ने काम को किस आधार पर ठीक बताया। भुगतान से पहले सड़क का सही निरीक्षण किया गया या नहीं। नियमों के अनुसार यदि निर्माण में कमी पाई जाती है, तो जिम्मेदारों से वसूली और कार्रवाई का प्रावधान है। इसके बावजूद अब तक इस मामले में कोई ठोस कदम उठाए जाने की जानकारी सामने नहीं आई है। समाचार लिखे जाने तक ग्राम पंचायत कुमारदनिया या जिला प्रशासन कवर्धा की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

गोंदली व तांदुला डेम में पिकनिक मनाने के बाद पालीथीन सिंगल यूज प्लास्टिक फेंकने से प्रसूषित हो रहे हैं जल और जंगल

दल्लीराजहरा। गोंदली डेम, तांदुला डेम के किनारे पिकनिक मनाने के बाद पालीथीन, सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यटक छोड़ जाते हैं तथा जल और जंगल को प्रदूषण कर रहे है। इस संबंध में ग्रीन कमांडो वीरेंद्र सिंह का कहना है कि इसे एकत्रित कर घर के पास डस्टबिन में डालना चाहिए डैम के किनारे स्वच्छ रखना बहुत ही जरूरी है। स्वच्छता से न केवल पर्यावरण की रक्षा होती है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। उन्होंने स्वच्छता के लिए कुछ उपाय बताएं हैं। नदी के किनारे कूड़ा न फेंके, इसके लिए कूड़ेदान का उपयोग करें। पेड़-पौधे लगाएं, नदी के किनारे पेड़-पौधे लगाएं, जो नदी के पानी को स्वच्छ रखने में मदद करते हैं। नदी में कूड़ा न डालें, इससे नदी का पानी प्रदूषित होता है। नदी के किनारे स्वच्छता अभियान चलाएं, जिसमें स्थानीय लोग शामिल हों।

नदी के किनारे स्वच्छता के नियमों का पालन करें, जैसे कि नदी में कूड़ा न डालना। नदी के किनारे स्वच्छता से पर्यावरण की रक्षा होती है। नदी के किनारे स्वच्छता से हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। नदी का पानी स्वच्छ रहता है, जो पीने और अन्य उपयोग के लिए उपयुक्त होता है। नदी के किनारे स्वच्छता से सौंदर्य में वृद्धि होती है, जो पर्यटन को बढ़ावा देता है। नदी तथा डेम के किनारे स्वच्छ रखना हमारा कर्तव्य है।

मोदी की गारंटी लागू करने की मांग पर सड़क पर उतरे अधिकारी-कर्मचारी

खैरागढ़। छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन ने अपनी 11 सूत्रीय प्रमुख मांगों के समर्थन में प्रदेशव्यापी तीन दिवसीय हड़ताल शुरू कर दी है। यह हड़ताल 29 से 31 दिसंबर 2025 तक पूरे प्रदेश में ब्लॉक एवं जिला स्तर पर आयोजित की जा रही है। 'काम बंद-कलम बंद' आंदोलन का सबसे अधिक असर सरकारी कार्यालयों पर पड़ा है, जहां अधिकांश विभागों में कामकाज पूरी तरह ठप रहा। फेडरेशन का आरोप है कि राज्य सरकार लंबे समय से कर्मचारियों और अधिकारियों की जायज मांगों की अनदेखी कर रही है, जिससे प्रदेशभर में भारी असंतोष व्याप्त है। जिले में जिला संयोजक प्रखर शरण सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी अंबेडकर चौक पर एकत्रित हुए। आंदोलनकारियों ने अब नई सहिबो, अपन हक लेके रहीबो, भाजपा सरकार हाय-हाय और मोदी की गारंटी पूरी करनी होगी जैसे नारे लगाकर सरकार के प्रति नाराजगी जाहिर की। वक्ताओं ने कहा कि कर्मचारियों को केंद्र के समान सुविधाएं देने की घोषणा अब तक कागजों तक सीमित है। की फेडरेशन ने बताया कि इससे पूर्व 22 अगस्त को जिला स्तर पर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया था, लेकिन सरकार की ओर से मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। प्रदेश में लगभग 4 लाख 50 हजार कर्मचारी-अधिकारी कार्यरत हैं, जिनमें करीब 4 लाख 10 हजार नियमित कर्मचारी शामिल हैं। संगठन का कहना है कि केंद्र सरकार की मोदी की गारंटी के तहत मिलने वाले लाभ, विशेषकर महंगाई भत्ता (डीए) और 2019 से लंबित डीए एरियर्स का भुगतान अब तक नहीं किया गया है, जिससे कर्मचारियों में व्यापक नाराजगी है। फेडरेशन की प्रमुख मांगों में केंद्र के समान डीए-डीआर, लंबित डीए एरियर्स का समायोजन, वेतन विसंगतियां दूर करने के लिए पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक करना, चार स्तरीय समयमान वेतनमान, कैशलेस चिकित्सा सुविधा, अनुकंपा नियुक्ति की 10 प्रतिशत सीमा समाप्त करना, 300 दिवस अर्जित अवकाश का नगदीकरण, पंचायत सचिवों का शासकीयकरण, सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष करना तथा कार्यभारित, दैनिक वेतनभोगी, संविदा और अनियमित कर्मचारियों का नियमितीकरण शामिल है। हड़ताल का असर शिक्षा व्यवस्था पर भी साफ दिखाई दिया। शीतकालीन अवकाश के बाद स्कूल पहुंचे बच्चों को शिक्षकों और कर्मचारियों की हड़ताल के कारण बंद स्कूलों से वापस घर लौटना पड़ा, जिससे अभिभावकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। कर्मचारियों ने बताया कि तीन दिवसीय आंदोलन के अंतिम दिन 31 दिसंबर को रैली निकालकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचेंगे और सरकार के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। फेडरेशन ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने शीघ्र मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन 31 दिसंबर के बाद और व्यापक रूप ले सकता है।

संक्षिप्त समाचार

महिला की हत्या के बाद उग्र हिंसा: मलकानगिरि के एमवी-26 गांव में सैकड़ों घर जलकर खाक

रायपुर। पखांजूर ओडिशा के मलकानगिरि जिले का एमवी-26 गांव, जो कभी शांति और आपसी भाईचारे के लिए पहचाना जाता था, आज हिंसा और तबाही की मिसाल बन गया है। एक महिला की हत्या के बाद उपजा तनाव इतना बढ़ गया कि हालात बेकाबू हो गए और पूरे गांव को आगजनी की भेंट चढ़ा दिया गया। हिंसक घटनाक्रम में करीब 230 से 250 घर पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए। पीढ़ियों की मेहनत से खड़े किए गए कच्चे और पक्के मकान, अनाज, कपड़े, जरूरी दस्तावेज और घरेलू सामान सब कुछ राख में बदल गया। बताया जा रहा है कि लगभग 60 वर्षों की जमा पूंजी और जीवनभर की कमाई कुछ ही घंटों में खत्म हो गई। इस त्रासदी के बाद सैकड़ों ग्रामीण खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। सूत्रों के अनुसार, महिला की हत्या की घटना के बाद गांव में तनाव फैल गया, जो जल्द ही हिंसक रूप ले बैठा। उग्र भीड़ ने एक-एक कर घरों को निशाना बनाया, जिससे पूरे इलाके में भय और दहशत का माहौल बन गया। मानवीय संकट को देखते हुए छत्तीसगढ़ के परलकोट क्षेत्र से पीड़ितों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया गया है। स्थानीय सामाजिक संगठनों और समाजसेवियों द्वारा अनाज, कपड़े और रोजमर्रा की जरूरत का सामान प्रभावित परिवारों तक पहुंचाया जा रहा है, ताकि उन्हें तात्कालिक राहत मिल सके। पीड़ित परिवारों ने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, पर्याप्त मुआवजा और स्थायी पुनर्वास की मांग की है। वहीं, क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। यह घटना न सिर्फ एक गांव की तबाही की कहानी है, बल्कि कानून-व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। अब सबकी नजर प्रशासन की अगली कार्रवाई और पीड़ितों को मिलने वाली सहायता पर टिकी हुई है।

नए साल की रात पर सख्ती: रायपुर में नशेड़ी ड्राइविंग पर गाड़ी जब्त, आयोजक भी होंगे जिम्मेदार

रायपुर। 31 दिसंबर की रात नए साल के जश्न को लेकर रायपुर पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में रहेगी। शहरभर में होने वाले कार्यक्रमों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। पुलिस का साफकहना है कि नशे में वाहन चलाने वालों और हुड़दंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नशे की हालत में कार या दुपहिया चलाते पाए जाने पर वाहन जब्त किया जाएगा। इस बार पुलिस ने केवल नशेड़ियों पर ही नहीं, बल्कि उन्हें शराब पिलाने वाले कार्यक्रम आयोजकों पर भी कार्रवाई के संकेत दिए हैं। होटल, रेस्टोरेंट और फार्म हाउस संचालकों से बड़े आयोजनों की पूरी जानकारी मांगी गई है। बिना अनुमति किसी भी तरह के आयोजन की इजाजत नहीं होगी और बिना लाइसेंस शराब परोसने पर कार्रवाई तय है। यदि अनुमति लेकर शराब परोसी जाती है, तो आयोजकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी मेहमान नशे में सड़क पर वाहन न चलाए। ऐसे मेहमानों को सुरक्षित घर पहुंचाने के लिए ड्राइवर या वाहन की व्यवस्था आयोजकों को ही करनी होगी। इधर, नए साल से पहले पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार पर भी शिकंजा कसना तेज कर दिया है। अमलीडीह क्षेत्र के वरण अपार्टमेंट में छापा मारकर एक नाबालिग बालिका समेत पांच आरोपियों को पकड़ा गया था। इसके बाद ड्रग्स तस्करी से जुड़े तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इन आरोपियों का संबंध इवेंट मैनेजमेंट से भी बताया जा रहा है और इनका नेटवर्क नागपुर व बिहार तक फैला हुआ है। ड्रग डिलीवरी के मामले में नागपुर से रायपुर आए एक आरोपी की भी गिरफ्तारी की जा चुकी है। इसके अलावा अफीम और गांजा तस्करी के मामलों में भी लगातार गिरफ्तारियां हो रही हैं। पुलिस ने सभी होटल, रेस्टोरेंट कारोबारियों और फार्म हाउस संचालकों को नोटिस जारी कर 31 दिसंबर की रात होने वाले आयोजनों की जानकारी मांगी है। आयोजनों में शामिल होने वाले सेलिब्रिटी, सुरक्षा में तैनात बाउंसर और स्टाफ की सूची भी अनिवार्य रूप से देनी होगी। पुलिस जल्द ही होटल, रेस्टोरेंट, बार संचालकों और इवेंट आयोजकों के साथ बैठक कर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करेगी।

ग्रामीण व्यवस्था के तहत असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाया अमेरी के ग्रामीणों ने ,दंड की व्यवस्था भी की

रायपुर। असामाजिक गतिविधियों से क्षुब्ध व आक्रोशित मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम अमेरी के ग्रामीणों ने पंचायत व ग्रामीण सभा की संयुक्त बैठक कर ग्राम में चल रहे असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगा दी है । बैठक के पूर्व मनाही के बाद भी इन गतिविधियों में लिप्त कतिपय विध्नसंतोषी तत्वों को ग्रामीण व्यवस्था के तहत दंडित करने के साथ - साथ में ग्राम में शराब व जुआ सहित अन्य असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाने के साथ - साथ दूकानों से डिस्पोजल गिलास व पानी पाऊच बिक्री पर भी रोक लगा दिया गया है व उल्लंघन करने वालों के लिये दंड का भी प्रावधान किया गया है जिसे ग्रामहित में ग्रामीणों ने स्वीकार भी कर लिया है । इसके बाद भी नजदीकी मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के ग्राम कठिया व खरोरा थाना क्षेत्र के ग्राम खौली में बिक रहे ।

कंवर समाज के सम्मेलन में शामिल हुए मुख्यमंत्री

राज्य सरकार मोदी की गारंटी को तेजी से लागू कर रही-साय

■ सामाजिक आयोजनों से मजबूत होता है आपसी जुड़ाव और युवाओं को मिलती है प्रेरणा: मुख्यमंत्री साय

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज विकासखंड कांसाबेल के ग्राम ढूढरूडांड में आयोजित अखिल भारतीय आदिवासी कंवर समाज विकास समिति के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने समाज के उत्थान हेतु समर्पित भाव से कार्य कर रहे पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए उनके योगदान को सराहा। कार्यक्रम में विधायक श्रीमती गोमती साय, पूर्व सांसद श्री नन्द कुमार साय, पूर्व संसदीय सचिव श्री भरत साय, जिला पंचायत सदस्य श्री गेंद बिहारी सिंह, कलेक्टर श्री रोहित व्यास विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज आपसी जुड़ाव को मजबूत करते हैं। वरिष्ठजनों एवं समाजसेवियों से युवाओं को प्रेरणा मिलती है, जिससे वे एक अच्छे नागरिक बनकर समाज और राष्ट्र की सेवा में अग्रसर होते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मोदी की गारंटी को तेजी से लागू कर रही है। सरकार के गठन के साथ ही पहली कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख आवास स्वीकृत किए गए। किसानों के हित में 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी की जा रही है। महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में महतारी वंदन योजना के माध्यम से अब तक 70 लाख महिलाओं को 22वीं किस्त प्रदान की जा चुकी है। तेंदूपत्ता संग्राहकों को प्रति मानक बोरा 5500 रुपये का भुगतान किया जा रहा है तथा चरण पादुका का वितरण भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा सभी के लिए अत्यंत आवश्यक है और छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय महत्व के आईआईटी, एम्स, आईआईआईटी, लॉ यूनिवर्सिटी सहित 15 मेडिकल कॉलेज स्थापित

किए जा चुके हैं। युवाओं को इन संस्थानों का अधिकतम लाभ लेकर आगे बढ़ना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि नई उद्योग नीति के तहत राज्य को 7.83 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस नीति में अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्गों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, ताकि यह वर्ग भी व्यापार एवं उद्योग के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ सके। जिले में चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार हेतु मेडिकल कॉलेज, प्राकृतिक चिकित्सा एवं फिजियोथेरेपी केंद्र, शासकीय नर्सिंग कॉलेज तथा शासकीय फिजियोथेरेपी कॉलेज का निर्माण कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद तेजी से समाप्ति की ओर है। नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से नक्सल प्रभावित एवं दूरस्थ क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। खेलों के क्षेत्र में सन्ना में तीरंदाजी अकादमी का निर्माण करने सहित खेल मैदानों का भी विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह गौरव का विषय है कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी का अवसर छत्तीसगढ़ को मिला है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं विधायक श्रीमती गोमती साय ने कहा कि समाज के उत्थान के लिए युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं के साथ ही उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त एवं सुसंस्कृत नागरिक बनाने पर भी जोर देना चाहिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय ने कहा कि समाज को सभी क्षेत्रों में मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को समर्पण भाव से कार्य करना होगा। यदि समाज के बुजुर्ग एवं जागरूक नागरिक संकल्प लें, तो समाज के साथ-साथ देश भी तेजी से प्रगति करेगा। कार्यक्रम में अखिल भारतीय कंवर समाज के महासचिव श्री अशोक पैंकरा, अखिल भारतीय आदिवासी कंवर समाज उत्तरी क्षेत्र-ढूढरूडांड के अध्यक्ष श्री विष्णु प्रसाद साय, सचिव श्री राजेश पैंकरा, कोषाध्यक्ष श्री गुलसागर साय सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

ड्रग डीलर्स के निशाने पर राजधानी की न्यू ईयर पार्टियां

■ दूसरे राज्यों से हो रही सप्लाई, एक अंतर्राज्यीय तस्कर को पुलिस ने दबोचा

रायपुर। संवाददाता

राजधानी रायपुर में आयोजित होने जा रही न्यू ईयर पार्टियां ड्रग डीलर्स के निशाने पर हैं. रायपुर समेत आउटर इलाकों में भी न्यू ईयर सेलिब्रेशन की तैयारी धड़ल्ले से चल रही है. ऐसे में पुलिस भी नशे के खिलाफ अलर्ट मोड पर है. रविवार दोपहर को पुलिस ने 'ऑपरेशन निश्चय' के तहत राजधानी के पंड्री इलाके से एक अंतर्राज्यीय तस्कर को 23.82 ग्राम स्थ्रू के साथ धर दबोचा है. वहीं एक अन्य तस्कर मौके से फरार हो गया.जानकारी के मुताबिक, पकड़ा गया तस्कर राजस्थान निवासी है और वह विभिन्न जगहों पर नए साल के सेलिब्रेशन पार्टियों में स्थ्रू की सप्लाई करने रायपुर पहुंचा था. इधर रायपुर क्राइम ब्रांच की एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट को सूचना मिली की एक संदिग्ध व्यक्ति पंड्री थाना क्षेत्र में सांइस सेंटर रोड स्थित एक गराज के पास मादक पदार्थ खबाने की फिराक में खड़ा है. जिसके बाद एंटी क्राइम, एंटी साइबर और और पंडरी थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके से अंतर्राज्यीय तस्कर को पकड़ा. तलाशी लेने पर उसके पास से एमडीएमए ड्रग्स बरामद किया गया. वहीं उसका एक साथी तस्कर मौके से बच निकला।पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम कैलाश बिश्नोई निवासी जोधपुर (राजस्थान) बताया और स्वीकार किया कि वह यह ड्रग्स राजस्थान से लेकर रायपुर आया था. आरोपी ने बताया कि नववर्ष के दौरान आयोजित होने वाली पार्टियों में इसकी सप्लाई करने की योजना थी.पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 3 मोबाइल फोन, विभिन्न बैंकों के 5 एटीएम कार्ड और 1,900 रुपये नकद जब्त किए हैं. जब्त मशरूका की कुल अनुमानित कीमत करीब 3.42 लाख रुपये आंकी गई है.

छत्तीसगढ़ में कंपाने वाली ठंड, अंबिकापुर में पारा 4 डिग्री दर्ज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पहाडों से आने वाली बर्फीली हवाओं की वजह से लोगों को हाड़ कंपाने वाली ठंड का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश के उत्तरी और पूर्वी-मध्य क्षेत्र में इसका असर सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है। सर्दी के प्रकोप के साथ-साथ धुंध-कोहरे की मार भी झेलनी पड़ रही है। राज्य के सरगुजा संभाग में ठंडा का सबसे ज्यादा असर देखने को मिल रहा है. भयंकर सर्दी का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि मैनपाट में ओस की बूंदें बर्फ में तब्दील हो गईं। पेड़-पौधे के पत्तों पर ओस की बूंद बर्फ की तरह जम गईं। इस सीजन में इसी संभाग से लगातार न्यूनतम तापमान मापा जा रहा है। अंबिकापुर प्रदेश का सबसे ठंडा शहर रहा, यहां शनिवार को न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं दुर्ग में अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

भूपेश बघेल अपने बयान के लिए माफी मांगें

भाजपा धर्मांतरण के खिलाफ तो कांग्रेस धर्म के खिलाफ खड़ी है

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी ने सनातन विरोधी बयानों को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि भाजपा धर्मांतरण के खिलाफ खड़ी है जबकि कांग्रेस सनातन धर्म के खिलाफ खड़ी है। श्री चिमनानी ने कांग्रेस पर धर्मांतरण को खुला संरक्षण देने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस संत, समाज समेत हर उस व्यक्ति के खिलाफ षड्यंत्र करती है जो धर्मांतरण का विरोध करता है। चिमनानी ने पं. प्रदीप मिश्रा व पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा अंध विश्वास फैलाने संबंधी बयान के लिए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को आड़े हाथों लेते हुए मांग की कि

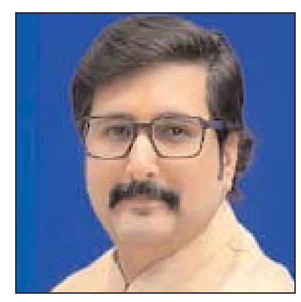

भूपेश बघेल अपने बयान के लिए लाखों-करोड़ों सनातन-प्रेमियों से माफी मांगें और यदि वह माफी नहीं मांगते हैं तो कांग्रेस नेतृत्व उन पर कार्रवाई करे। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री चिमनानी ने कहा कि जिसने भी धर्मांतरण के खिलाफ कहा और धर्मांतरण के विरुद्ध समाज को जागरूक किया, कांग्रेस ने उस पर जहर उगलने का काम किया है, उसका दमन किया है। मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि सन् 2004 में कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी के इशारे पर दीपावली की पूजा रुकवाकर एक झूठे आरोप में शंकराचार्य जयेंद्र सरस्वती की गई गिरफ्तारी की गईं थी यह किसी कलंक से कम नहीं था और कहा कि यह सनातन के विरुद्ध एक बहुत बड़ी साजिश का प्रमाण है। कांग्रेस के तत्कालीन दिग्गज नेता प्रणव मुखर्जी ने अपनी किताब 'द कोएलिशन ईयर्स' में यह कहा था कि शंकराचार्य की जो जबरन गिरफ्तारी हुई थी, वह सोनिया गांधी ने सनातन धर्म को नीची दिखाने के लिए करवाई थी ऐसा मीडिया रिपोर्ट्स एवं कई पत्रकार जन के ट्वीट के माध्यम से सामने आया था।

---

50 लाख की साइबर ठगी का भंडाफोड़ विदेशी पार्सल के नाम पर लगाया था चूना

■ पुलिस ने बिहार से दो अंतरराज्यीय ठगों को दबोचा

रायपुर/ संवाददाता

साइबर ठगी के बढ़ते मामलों के बीच दंतेवाड़ा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। वर्ष 2023 में किरंदुल निवासी एक व्यक्ति से करीब 50 लाख रुपये की साइबर ठगी के मामले में पुलिस ने बिहार के पूर्वी और पश्चिमी चंपारण जिलों से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई दंतेवाड़ा साइबर सेल, थाना कोतवाली दंतेवाड़ा और थाना किरंदुल की संयुक्त टीम ने की।जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने पीड़ित को फोन कर यह कहकर झांसे में लिया कि उसके नाम से एक पार्सल आया है, जिसमें विदेशी मुद्रा मौजूद है। पार्सल प्राप्त करने के लिए कस्टम चार्ज, सीबीआई चार्ज और इनकम टैक्स के नाम पर लगातार अलग-अलग रकम जमा कराई गई। इस तरह लगभग एक महीने के भीतर प्रार्थी से करीब 50 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। पीड़ित की शिकायत पर थाना किरंदुल में धारा 420 भादवि एवं 66(डी) आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।जांच के दौरान साइबर सेल ने पीड़ित से पूछताछ कर बैंक खातों और लेन-देन से संबंधित जानकारी जुटाई। दंतेवाड़ा, किरंदुल, गीदम और बचेली थाना क्षेत्रों में सक्रिय साइबर अपराधियों की तलाश के लिए निरीक्षक धनंजय सिन्हा के नेतृत्व में एक संयुक्त टीम गठित कर बिहार रवाना की गई। इस बीच पुलिस टीम ने 100 से अधिक बैंक खातों के ट्रांजैक्शन का विश्लेषण किया और अत्याधुनिक फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन एनालिसिस के साथ साइबर फॉरेंसिक टूल्स की मदद से आरोपियों की पहचान की और उन्हें धर दबोचा।पुलिस ने बिहार से अरविन्द कुमार (उम्र 25 साल) पिता दीपक चौधरी निवासी बंगाली कॉलोनी जिला पूर्वी चंपारण और विद्या कुमार (उम्र 23 साल) पिता राजेन्द्र साहनी निवासी वार्ड क्रमांक 12 शिव मंदिर के पास जौकटिया थाना मझौलिया जिला पश्चिम चंपारण को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को आज कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।जिला दंतेवाड़ा पुलिस द्वारा लगातार शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क कर नागरिकों को मोबाइल और साइबर अपराधों, जैसे बैंकिंग फ्रॉड, पार्ट-टाइम जॉब के नाम पर ठगी, ओटीपी और लिंक शेयर करने से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

पेंगुलिन शल्क तस्करी का भंडाफोड़,कुसमी वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

रायपुर। बलरामपुर वन मंडल के अंतर्गत कुसमी वन विभाग को वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में बड़ी सफलता मिली है। दिनांक 27 दिसंबर 2025 को वन विभाग एवं वाइल्ड लाइफक्राइम कंट्रोल ब्यूरो की संयुक्त टीम ने पेंगुलिन शल्क (कहट) की तस्करी में संलिप्त चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। वन मंडलाधिकारी बलरामपुर के निर्देशन एवं अनुविभागीय वन अधिकारी कुसमी के मार्गदर्शन में जशपुर, बलरामपुर एवं कुसमी की संयुक्त टीम का गठन किया गया था। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर जशपुर रोड स्थित बाबा चौक के पास बताए गए हुलिए के अनुसार दो संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया। पूछताछ में उनकी पहचान प्रभु सोनवानी पिता स्व. रामखेलावन सोनवानी, उम्र 43 वर्ष, निवासी बनौरा थाना बलरामपुर तथा निखिल सरकार पिता बीटू भूषण, उम्र 60 वर्ष, निवासी संतोषी नगर जिला बलरामपुर के रूप में हुई। तलाशी के दौरान निखिल सरकार के बैग से दो पॉलीथिन में पेंगुलिन शल्क बरामद किया गया। जब उनसे वैध दस्तावेज मांगे गए तो वे कोई भी प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सके। मौके पर वीडियो ग्राफी एवं जीपीएस रीडिंग कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई।

चना की फसल लेने से कम लागत में अधिक फायदा ले रहे किसान

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश में सरकार की किसान हितैषी नीतियों से और कृषि विभाग के उचित मार्गदर्शन से किसानों को नई दिशा मिल रही है। ऐसे ही जिला बेमेतरा के ग्राम अकलवारा के प्रगतिशील कृषक श्री संतोष साहू ने इस वर्ष खेती के क्षेत्र में एक सराहनीय, दूरदर्शी और अनुकरणीय निर्णय लेकर यह सिद्ध कर दिया है कि सही फसल चयन और वैज्ञानिक खेती पद्धतियों को अपनाकर कम संसाधनों में भी अधिक लाभ अर्जित किया जा सकता है। परंपरागत रूप से ग्रीष्मकाल में धान की खेती करने वाले श्री साहू ने इस बार ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर 5 एकड़ क्षेत्र में चने (दलहन) की फसल लेकर जल संरक्षण, लागत नियंत्रण और आय वृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। ग्रीष्मकालीन धान की खेती में अत्यधिक मात्रा में पानी, बिजली, डीज़ल तथा श्रम की आवश्यकता होती है। लगातार गिरते भू-जल स्तर, बढ़ती उत्पादन लागत और सीमित संसाधनों को ध्यान में रखते हुए श्री संतोष साहू ने फसल परिवर्तन का निर्णय लिया। कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कृषि वैज्ञानिकों की सलाह, साथ ही शासन द्वारा संचालित फसल विविधीकरण एवं दलहन प्रोत्साहन योजनाओं से प्रेरित होकर उन्होंने कम पानी में बेहतर उत्पादन देने वाली चना फसल को अपनाया। किसान श्री साहू बताते है कि चना फसल की खेती में आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों का समुचित उपयोग किया, जिसमें प्रमुख रूप से लगभग 5 एकड़ क्षेत्र में समय पर बुवाई, उन्नत एवं प्रमाणित चना बीज का चयन, संतुलित मात्रा में रासायनिक उर्वरक एवं जैविक खाद का प्रयोग, आवश्यकता अनुसार सीमित सिंचाई, जिससे जल की बचत हुई, कीट एवं रोगों की रोकथाम हेतु नियमित निगरानी एवं समय पर उपचार। इन वैज्ञानिक उपायों के परिणामस्वरूप खेत में चने की फसल की बढ़वार अत्यंत संतोषजनक है और वर्तमान स्थिति को देखते हुए उच्च गुणवत्ता की अच्छी उपज मिलने की पूरी संभावना है। चना फसल अपनाने से जहां एक ओर ग्रीष्मकालीन धान की तुलना में पानी की खपत में भारी कमी आई है, वहीं दूसरी ओर सिंचाई, बिजली और श्रम लागत भी काफी घट गई है। चना एक दलहनी फसल होने के कारण यह मिट्टी में नाइट्रोजन स्थिरीकरण कर भूमि की उर्वरता बढ़ाने में भी सहायक है। बाजार में चने की मांग और अच्छे भाव को देखते हुए श्री संतोष साहू को इस वर्ष अधिक शुद्ध लाभ प्राप्त होने की पूरी उम्मीद है। श्री संतोष साहू का यह प्रयास क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा का उदाहरण बन रहा है।

सीमांत किसान ज्ञानेश्वर वैष्णव ने पारदर्शी व्यवस्था की सराहना की

डिजिटल टोकन से आसान हुई धान खरीदी ग्रामीण किसानों को मिल रहा सीधा लाभ...

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश में धान उपार्जन केन्द्रों पर लागू की गई पारदर्शी और डिजिटल व्यवस्था किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है। डिजिटल टोकन प्रणाली के चलते धान विक्रय की प्रक्रिया न केवल सरल और सहज हुई है, बल्कि किसानों के समय, श्रम और खर्च में भी उल्लेखनीय बचत हो रही है। अम्बिकापुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत मुडेसा निवासी सीमांत किसान श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद वैष्णव ने बताया कि इस वर्ष उनकी धान की फसल बेहतर रही है। उनके पास कुल 45.60 क्विंटल धान था, जिसके लिए उन्होंने किसान तुहंर टोकन ऐप के माध्यम से घर बैठे ही पहला टोकन काटा। डिजिटल व्यवस्था के

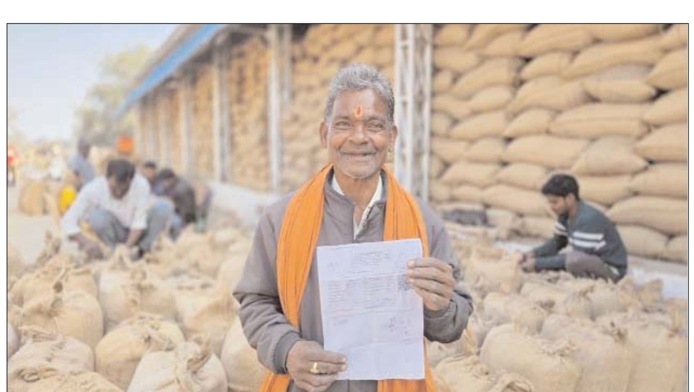

कारण उन्हें टोकन कटवाने के लिए बार-बार उपार्जन केन्द्र जाने की जरूरत नहीं पड़ी। श्री वैष्णव ने बताया कि उपार्जन केन्द्र पहुंचते ही उन्हें गेट पास जारी किया गया, नमी परीक्षण किया गया और तत्काल बारदाना उपलब्ध कराया गया। पूरी धान विक्रय प्रक्रिया सुव्यवस्थित रही और किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि केन्द्रों में किसानों के लिए पीने के पानी और बैठने की पर्याप्त व्यवस्था की गई है, जिससे सुविधाजनक वातावरण मिला।उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में धान का 3100 रुपये प्रति क्विंटल का सर्वाधिक समर्थन मूल्य मिल रहा है, जिससे किसानों को सीधा आर्थिक लाभ हो रहा है। प्राप्त राशि का उपयोग वे गेहूं, तिलहन और सब्जी सहित अन्य फसलों की खेती में कर रहे हैं, जिससे उनकी आय में निरंतर वृद्धि हो रही है। सीमांत किसान श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद वैष्णव ने धान खरीदी की वर्तमान पारदर्शी, डिजिटल और किसान हितैषी व्यवस्था की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि इस व्यवस्था से किसान संतुष्ट और खुश हैं।

संपादकीय

आपराधिक कुंठा के शिकार लोगों के पास तेजाब कैसे आसानी पहुँच जाता?

देश भर में तेजाब से हमले की घटनाओं पर आखिर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है! जबकि खुले बाजार में तेजाब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध है और इस तरह के अपराध से निपटने के लिए सख्त कानून मौजूद हैं।बिहार में पटना जिले के मोकामा में रविवार रात एक महिला पर तेजाब से हमले की वारदात ने राज्य की कानून व्यवस्था पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं।तेजाब केवल शरीर को ही नहीं झुलसाता, बल्कि इसकी भयावहता कई बार पीड़ित की पहचान, आत्मविश्वास और सपनों को भी एक त्रासदी में बदल देती है। हमले से पीड़ित की जिंदगी पहले जैसी सामान्य नहीं हो पाती है। पीड़ित महिला के लिए तो महीनों तक चलने वाले उपचार के साथ-साथ समाज की संकीर्ण सोच का सामना करना किसी रोजमर्रा के जख्म से कम नहीं होता।सवाल है कि आपराधिक कुंठा के शिकार लोगों की तेजाब तक आसान पहुंच कैसे संभव हो पा रही है? जाहिर है कि इसके लिए प्रशासनिक तंत्र में व्याप्त खामियां ही जिम्मेदार हैं।गौरतलब है कि वर्ष 2013 में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर बाजार में तेजाब की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। इस कदम के बाद तेजाब से हमले के मामलों में थोड़ी कमी आई थी, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से इनमें फिर से वृद्धि देखी जा रही है।राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो की एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2017 में देश भर में तेजाब से हमले के 244 मामले दर्ज हुए थे। एक अन्य रपट के अनुसार, वर्ष 2021 में ऐसे 176 मामले और 2023 में 207 वारदात दर्ज की गई।इसमें दोराय नहीं कि देश में तेजाब से हमलों के खिलाफ सख्त कानून बनाया गया है, मगर सवाल है कि क्या इस कानून का सख्ती से पालन हो रहा है?क्या यह जांच एजंसियों की जिम्मेदारी नहीं है कि अवैध रूप से तेजाब की बिक्री करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए? कई बार तो जांच अधिकारियों की लापरवाही के कारण हमलावर न्याय के कठघरे में आने से बच जाते हैं। जब तक पुलिस और प्रशासनिक तंत्र में व्याप्त खामियों को दुरुस्त नहीं किया जाएगा, तब तक सख्त कानून का प्रभाव भी धरातल पर कम ही नजर आएगा।

बुधवार को केंद्र सरकार ने अरावली पर अब नए पट्टे देने पूरी रोक लगा दी है यह कदम उचित है। अरावली पर्वत श्रेणी को लेकर हाल के वर्षों में जो सबसे अधिक विवादास्पद और दूरगामी विनाशकारी प्रभाव वाला तर्क सामने आया है, वह यह है कि केवल 100 मीटर से अधिक ऊँचाई वाली पहाड़ियों को ही 'अरावली' माना जाए। यह प्रस्ताव पर्यावरणीय संरक्षण को सीमित करने की एक नीतिगत रणनीति के रूप में सामने आता है। अरावली पर्वत श्रेणी विश्व की सबसे प्राचीन पर्वतमालाओं में से एक है। इसकी उत्पत्ति लगभग 250 करोड़ वर्ष पूर्व मानी जाती है। इसका विस्तार मुख्यतः गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली तक है।पर्यावरणीय दृष्टि से अरावली—मरुस्थलीकरण को रोकती है। भूजल पुनर्भरण में सहायक है।दिल्ली-एनसीआर की जलवायु को संतुलित करती है।

अरावली पर्वत श्रंखला राजनीतिक अर्थशास्त्र के संदर्भ में

(अरुण कांत शुक्ला)

जैव विविधता का महत्वपूर्ण आश्रय है। यह पर्वत श्रेणी किसी एकसार, ऊँचे, निरंतर पर्वत के रूप में नहीं बल्कि एक क्षीण, टूटी-बिखरी, निम्न ऊँचाई वाली पहाड़ियों, चट्टानों और भूगर्भीय संरचनाओं के जटिल तंत्र के रूप में विकसित हुई है। इसीलिए अरावली को केवल ऊँचाई के पैमाने पर परिभाषित करना, उसके भूवैज्ञानिक चरित्र को नकारने जैसा है।मुख्य विवाद इस प्रश्न से शुरू होता है कि अरावली की भौगोलिक और कानूनी सीमा क्या है। कुछ राज्य सरकारें केवल ऊँचे पर्वतीय हिस्सों को अरावली मानती हैं जबकि पर्यावरणविद और न्यायालय अरावली के पूरे भूगर्भीय विस्तार को संरक्षण योग्य मानते हैं। इसी अस्पष्टता का लाभ उठाकर कई क्षेत्रों में खनन और निर्माण कार्य होते रहे।100 मीटर की ऊँचाई का मानक न तो भूविज्ञान से निकला है, न पारिस्थितिकी से और न ही किसी अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय सिद्धांत से। यह एक प्रशासनिक सीमा है, जिसे इस प्रकार गढ़ा गया कि अरावली क्षेत्र का बड़ा हिस्सा कानूनी संरक्षण से बाहर हो जाए। हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली-एनसीआर में इस मानक को अपनाने का सबसे बड़ा लाभ यह हुआ कि हजारों हेक्टेयर भूमि, जो पहले अरावली क्षेत्र मानी जाती थी, अब निर्माण, खनन और रियल एस्टेट गतिविधियों के लिए खोल दी गई। अरावली विवाद का सबसे गंभीर पहलू है अवैध खनन। पत्थर, ग्रेनाइट, संगमरमर और सिलिका का बड़े पैमाने पर खनन। विशेष रूप से हरियाणा (फरीदाबाद, गुरुग्राम, नूंह) और राजस्थान में। इससे पहाड़ियाँ समतल होती गईं, जंगल नष्ट हुए और भूजल स्तर गिरा। भूवैज्ञानिक दृष्टि से अरावली को समझने के लिए ऊँचाई नहीं, बल्कि चट्टानों की संरचना, आयु और निरंतरता को आधार बनाया जाता है। अरावली की पहचान क्वार्टजाइट, फाइलाइट, शिस्ट और ग्रेनाइट जैसी प्राचीन चट्टानों से होती है, जो कई स्थानों पर 50 मीटर, कहीं 30 मीटर और कहीं सतह के समांतर ही दिखाई देती हैं। क्या केवल इसलिए कि वे 100 मीटर से कम ऊँची हैं, उन्हें अरावली नहीं माना जाएगा? यह प्रश्न इस पूरे विवाद की बुनियाद को उजागर करता है।पारिस्थितिकी के स्तर पर यह तर्क और भी अधिक खतरनाक हो जाता है। अरावली केवल ऊँची पहाड़ियों का नाम नहीं है, बल्कि यह एक इकोलॉजिकल सिस्टम है– जिसमें पहाड़ियाँ, ढलानें, वनस्पति, जलग्रहण क्षेत्र, दर्रे, नाले और भूमिगत जल संरचनाएँ शामिल हैं। 100 मीटर से कम ऊँचाई वाले क्षेत्र ही अक्सर भूजल पुनर्भरण, वर्षा जल संचयन और जैव विविधता के लिए अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। यदि इन्हें अरावली से बाहर कर दिया जाए, तो पूरे पारिस्थितिक संतुलन की रीढ़ टूट जाती है। यहाँ यह समझना आवश्यक है कि अरावली का क्षरण ऊँचाई से नहीं, निरंतरता के टूटने से होता है। जब छोटी पहाड़ियाँ काट दी जाती हैं, खनन से समतल कर दी जाती हैं या निर्माण में दबा दी जाती हैं, तब ऊँची पहाड़ियाँ भी पर्यावरणीय दृष्टि से निष्प्रभावी हो जाती हैं। 100 मीटर का मानक इस सच्चाई को पूरी तरह अनदेखा करता है। कानूनी स्तर पर भी यह अवधारणा गंभीर प्रश्न खड़े करती है। सुप्रीम कोर्ट और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने

अपने अनेक आदेशों में यह स्पष्ट किया है कि अरावली को संपूर्ण पारिस्थितिक तंत्र के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि केवल ऊँची पहाड़ियों के समूह के रूप में। न्यायपालिका ने बार-बार कहा है कि अरावली की रक्षा केवल दृश्य पहाड़ियों के लिए नहीं, बल्कि उसके भूगर्भीय और पर्यावरणीय विस्तार के लिए आवश्यक है। इसके बावजूद 100 मीटर की परिभाषा न्यायिक आदेशों की भावना के विपरीत जाती है।

न्यायपालिका की भूमिका

सुप्रीम कोर्ट के प्रमुख आदेश - 2002 और 2009 में सुप्रीम कोर्ट ने अरावली क्षेत्र में खनन पर प्रतिबंध लगाया।

2018 में एनसीआर क्षेत्र में सभी अवैध निर्माण और खनन पर सख्ती के निर्देश = न्यायालय ने स्पष्ट किया कि - अरावली केवल पहाड़ी नहीं, एक संपूर्ण पारिस्थितिक तंत्र है।

हरियाणा और राजस्थान सरकारों की भूमिका

हरियाणा सरकार ने कई बार अरावली की परिभाषा बदलने की कोशिश की। 2022-23 में ड्राफ्ट नोटिफिकेशन के जरिए कुछ क्षेत्रों को अरावली से बाहर करने का प्रस्ताव। पर्यावरणविदों ने इसे कानूनी छल और रियल एस्टेट हितों से प्रेरित बताया। राजस्थान में भी खनन लॉबी और स्थानीय राजनीति विवाद को जटिल बनाती रही है।

राजनीतिक अर्थशास्त्र के संदर्भ में देखें तो यह मानक विकास की भाषा में पर्यावरण को निष्क्रिय करने का औज़ार बन जाता है। रियल एस्टेट परियोजनाएँ, फार्महाउस, सड़कें, औद्योगिक क्षेत्र–ये सभी प्रायः उन्हीं निम्न ऊँचाई वाली पहाड़ियों और ढलानों पर विकसित होते हैं, जिन्हें इस परिभाषा के माध्यम से अरावली से बाहर कर दिया गया है। इस प्रकार यह एक कानूनी आवरण में छिपा पर्यावरणीय विस्थापन है।

दिल्ली-एनसीआर के संदर्भ में यह विवाद और भी गंभीर हो जाता है। अरावली दिल्ली के लिए एक प्राकृतिक वायु-फ़िल्टर की तरह काम करती है। हरियाणा और राजस्थान की ओर से आने वाली धूल, गर्म हवाएँ और मरुस्थलीकरण को रोकने में निम्न ऊँचाई वाली पहाड़ियाँ सबसे अधिक प्रभावी भूमिका निभाती हैं। जब इन्हें काटा जाता है, तो दिल्ली का वायु प्रदूषण और तापमान दोनों बढ़ते हैं। 100 मीटर का मानक सीधे-सीधे जनस्वास्थ्य के संकट को जन्म देता है। सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह परिभाषा अरावली की ऐतिहासिक स्मृति को खंडित करती है। अरावली क्षेत्र में सदियों से रहने वाले भील, मीणा, मेव और अन्य समुदायों के लिए पहाड़ ऊँचाई नहीं, बल्कि जीवन का भूगोल हैं। उनके जलस्रोत, चरागाह, वन औषधियाँ और धार्मिक स्थल प्रायः इन्हीं छोटी पहाड़ियों और ढलानों से जुड़े हैं। इन्हें अरावली से बाहर करना, दरअसल इन समुदायों को उनकी पारंपरिक भूमि से वैचारिक रूप से बेदखल करना है। सरकारें अक्सर तर्क देती हैं-आवास, सड़क, औद्योगिक विकास जरूरी है। खनन से रोजगार मिलता है। जबकि पर्यावरणीय पक्ष कहता है-अरावली का विनाश अपरिवर्तनीय क्षति है। अल्पकालिक आर्थिक लाभ दीर्घकालिक पर्यावरणीय आपदा में बदल रहा है। स्पष्टतः100 मीटर से अधिक ऊँची पहाड़ियों को ही अरावली मानने का तर्क वैज्ञानिक कम और राजनीतिक अधिक है। यह अरावली को बचाने की नहीं, बल्कि उसे परिभाषा के माध्यम से धीरे-धीरे समाप्त करने की प्रक्रिया है। यदि अरावली को सचमुच संरक्षित करना है, तो उसे ऊँचाई की संकीर्ण सीमा में नहीं, बल्कि उसके भूगर्भीय विस्तार, पारिस्थितिक भूमिका और सांस्कृतिक निरंतरता के आधार पर समझना होगा। अरावली केवल भौगोलिक संरचना नहीं-यह भारतीय सभ्यता के प्राचीनतम साक्ष्यों की भूमि है। मेवात, भील, मीणा और अन्य आदिवासी समुदायों की जीवनरेखा। लोक-स्मृति, किलों, जल-संरचनाओं और परंपरागत ज्ञान का आधार। विवाद में यह सांस्कृतिक आयाम अक्सर हाशिये पर चला जाता है। अरावली कोई मापने की वस्तु नहीं, बल्कि बचाने की जिम्मेदारी है। यदि हमने उसे मीटरों में बाँध दिया, तो आने वाली पीढ़ियाँ केवल नक्शों में अरावली को ढूँढ़ती रह जाएँगी। (यह लेखक अपने विचार हैं)

त्राहिमाम... त्राहिमाम... विश्व की तीसरी सबसे बड़ी हिन्दू आबादी वाला बांग्लादेश....

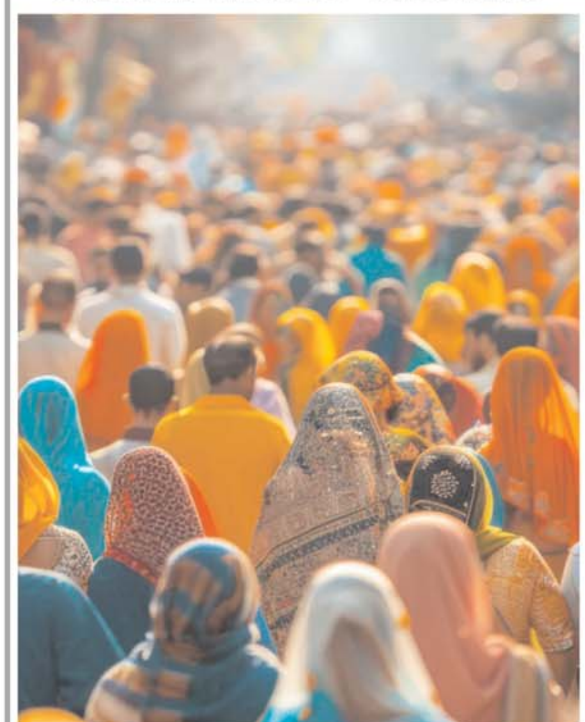

(सुरेश तिवारी)

इज़राइल अपने नागरिकों और यहूदियों की हत्या करने वाले हमास पर निर्णायक हमला करता है। अमेरिका, अपने नागरिकों पर हमले के नाम पर, पूरे-के-पूरे देशों को तबाह कर देता है। परंतु जब बांग्लादेश में हिन्दुओं को केवल उनकी धार्मिक पहचान के कारण ज़िंदा जलाया जा रहा है, तब भारत–विशेषकर मोदीसरकार–का यह मौन हिन्दुओं के लिये पीड़ादायी है ? जबकि यह कोई छिटपुट घटना न होकर एक नियोजित और सतत हिन्दुओं का नरसंहार है।

कभी बांग्लादेश की जनसंख्या में लगभग 22त्न हिस्सेदारी रखने वाला हिन्दू समाज आज 8त्न से भी कम रह गया है– और यह गिरावट आज भी जारी है। इसके पीछे सिर्फ और सिर्फ धार्मिक द्वेष और धर्मान्धता ही है जिसके चलते ज़बरन धर्मांतरण, मॉब लिंचिंग, हिन्दू महिलाओं का अपहरण, बलात्कार और जबरन निकाह, मंदिरों, घरों और दुकानों पर संगठित हमले आदि का नंगा नाच आज भी जारी है विशेष रूप से अगस्त 2024 के बाद तो हालात बहुत ही भयावह स्तर पर पहुँच चुके हैं। हिन्दू बस्तियों पर जिहादी आक्रमण, आगजनी, लूटपाट, हिन्दुओं की माबलिंचिग और महिलाओं पर अत्याचार अब अपवाद नहीं, बल्कि दैनिक घटना बन चुके हैं।यदि यही सिलसिला यूं ही जारी रहा, तो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा हिंदू आबादी वाला बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान की तरह ही हिंदू-विहीन हो जायेगा, जो केवल मानवीय त्रासदी नहीं होगी, बल्कि भारत के लिए एक गंभीर रणनीतिक आपदा होगी।, क्योंकि तब सीमा पर आतंकी घुसपैठ, और अस्थिरता रोकना असंभव हो जायेगा। जेहादी भारत के उत्तरपूर्व के राज्यों के प्रवेशद्वार ,चिकनेक को अवरोधित कर देने की धमकियां पहले ही दे ही चुके हैं जिनमें पाकिस्तान ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय शक्तियों की भूमिका की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। यूएनओ और यूएनएचआरसी जैसी नपुंसक संस्थाएं हिन्दुओं के नाम पर अपनी केचुली में घुस जाती हैंज भारत के ठगबधनिये राजनीतिक दल जो एक मुस्लिम महिला के नकाब खिसकाने पर हाय तौबा मचाना शुरू कर देते हैं पर बांग्लादेश और बंगाल में हिन्दुओं को जिन्दा जला देने पर भी विरोध का एक स्वर तक नहीं निकालते। क्या यह मान लिया जाय कि दुनिया के लिये हिन्दुओं की जान का कोई मोल नहीं? क्या हिन्दू मात्र कीड़े मकोड़े हैं जिन्हें कोई भी कहीं भी मार सकता है, जला सकता है और प्रताड़ित कर सकता है। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

360 डिग्री कैसे पलटे ट्रंप? भारत आया अमेरिकी हथियारों का जखीरा

भारत और अमेरिका के रिश्ते सुधर रहे हैं। भले ही धीरे-धीरे सुधर रहे हैं लेकिन अब जो गाड़ी है वो पटरी पर लौट रही है। सबसे पहले भारत अमेरिका से तेल खरीदना शुरू करता है। दूसरे नंबर पर रूस से तेल की खरीद कम करता है। खत्म नहीं करता है, बल्कि कम करता है। उसके बाद भारत बड़ी एलपीजी की डील अमेरिका के साथ करता है। अपनी जरूरत का 10 प्रतिशत हिस्सा अब भारत अगले महीने से अमेरिका से खरीदेगा। उसके बाद सैन्य लेवल पर भी भारत जो है एक डील करता है। ये सारी चीजें चल ही रही होती हैं कि खबर आती है कि दिसंबर के आखिर तक भारत की और अमेरिका की जो ट्रेड डील है वो लगभगल लगभग पूरी तरीके से फाइनल हो जाएगी।

(अभिनय आकाश)

दोनों देशों ने जो एक सपना देखा था कि 2030 तक 500 बिलियन डॉलर का व्यापार पहुंचाएंगे। द्विपक्षीय व्यापार होगा उस तरफ चीजें आगे बढ़ने वाली हैं। दरअसल, भारत अमेरिका ने एक साथ आकर एक बड़ा खेल कर डाला है। भारत अमेरिका के नए एक्शन से पाकिस्तान और चीन दोनों के होश उड़ चुके हैं। पाकिस्तान पहले ही भारत से डरा हुआ है। हर पल उसे यही डर सोने नहीं दे रहा कि कब भारत पहले की तरह रात में सूरज उगा दे और उसी टेंशन को और भी ज्यादा बढ़ाने का काम कर दिया है। अब अमेरिका से सामने आई इस चिट्ठी ने। दरअसल पाकिस्तान को तगड़ा झटका अब अमेरिका ने दे दिया। जिसकी गोद में वो बैठने के ख्वाब हर दिन हर रात देख रहा था। उसी पाकिस्तान को अब भारत के साथ मिलकर जमीन में गाड़ने का काम अमेरिका ने कर दिया। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के लिए बड़ा कदम उठाते हुए 9.3 करोड़ डॉलर के हथियार की बिक्री को मंजूरी दे दी है। बता दें कि अमेरिका ने भारत को दुनिया की सबसे घातक एंटी टैंक मिसाइल सिस्टम में से एक जैवलिन मिसाइल देने का ऐलान कर दिया है जो कि पाकिस्तान के टैंकों के लिए काल है। भारत अमेरिका की डील में जैवलिन मिसाइल के अलावा स्मार्ट तोप गोला भी है।

अमेरिका ने भारत को 818.4 करोड़ रुपए (93 मिलियन डॉलर) कीमत के एक्सकैलिबर गाइडेड आर्टिलरी प्रोजेक्टाइल और जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम बेचने की मंजूरी दे दी है। एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल और इसके उपकरणों की कीमत 414.48 करोड़ और जैवलिन मिसाइल सिस्टम और उपकरणों की कीमत करीब 402.16 करोड़ रुपए है। रूस से तेल खरीद की पैनल्टी के रूप में भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बाद ये भारत की अमेरिका से पहली बड़ी रक्षा खरीद होगी। अमेरिका ने कहा है कि इस बिक्री से 'बड़े डिफेंस पार्टनर' की सुरक्षा में सुधार होगा, जो दक्षिण एशिया क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता और शांति के लिए महत्वपूर्ण ताकत बना हुआ है। डिफेंस सिक्योरिटी कोऑपरेशन एजेंसी ने अमेरिकी संसद को बताया है कि भारत ने 216 एक्सकैलिबर टैक्टिकल प्रोजेक्टाइल और 100 एफजीएम-148 जैवलिन राउंड, एक जैवलिन

एफजीएम-148 मिसाइल, फ्लाई-टू-बाय और 25 जैवलिन लाइटवेट कमांड लॉन्च यूनिट्स या जैवलिन ब्लॉक 1 कांड लॉन्च यूनिट्स खरीदने की इच्छा जताई है। भारत को इन हथियारों और डिफेंस सिस्टम को सेना में शामिल करने में कोई मुश्किल नहीं होगी। साथ ही इन रक्षा उपकरणों और सपोर्ट सिस्टम की बिक्री से क्षेत्र में बुनियादी सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं आएगा। बता दें कि भारत और अमेरिका ने हाल ही में 10 साल के लिए डिफेंस पार्टनरशिप डील के विभिन्न मुद्दों पर समझौता किया है। जैवलिन दुनिया की सबसे अडवांस पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल है। इसे फायर एंड फॉर गेट मिसाइल कहा जाता है, यानी फायर करने के बाद सैनिक को टारगेट पर निशाना बनाए रखने की जरूरत नहीं पड़ती। यह खुद लक्ष्य ढूंढकर मार गिराती है। यूक्रेन ने रूस के खिलाफ मिसाइल का इस्तेमाल रूसी टैको को नष्ट करने के लिए किया है। यह पोर्टेबल, कंधे से लॉन्च किया जाने वाला हथियार है। ये टैंक, बख्तरबंद गाड़ियों और किलेबंद जगहों को नष्ट कर सकता है। यह 'फायर-एंड-फॉरगेट' गाइडेंस सिस्टम का इस्तेमाल करता है। सैनिक फायरिंग के तुरंत बाद सुरक्षित जगह पर जा सकता है क्योंकि मिसाइल इंफ्रारेड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर खुद को गाइड करती है। इसे ले जाना आसान है, इसे दो सैनिक चला सकते हैं। यूक्रेन में सैकड़ों रूसी टैंक नष्ट किए। एलओसी और एलएसी के पहाड़ी क्षेत्रों के लिए अहम है। इसका टॉप-अटैक मोड बख्तरबंद वाहनों और बंकरों के खिलाफ बेहद कारगर है।

यह जीपीएस-गाइडेड आर्टिलरी शेल है, जिसे होवित्जर जैसी बड़ी तोपों से फायर किया जाता है। पारंपरिक शेल के विपरीत, यह लंबी दूरी पर भी 2 मीटर से कम की सटीकता से निशाना लगा सकता है। एक एक्सकैलिबर राउंड 10-50 पारंपरिक राउंड के बराबर होता है। इससे गोला-बारूद बचता है। भारत पहले से एम 777 अल्ट्रा-लाइट हॉवित्जर के साथ एक्सकैलिबर का उपयोग कर रहा है, जो लद्दाख जैसे उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में त्वरित तैनाती के लिए आदर्श हैं। अमेरिका से ताजा एक्सकैलिबर आर्टिलरी शेल खरीद से भारत की सटीकता के साथ हमला करने की क्षमता बढ़ेगी। यूक्रेनी सैनिकों ने इनसे रूस के टी72, टी19 जैसे मजबूत टैंकों को सैकड़ों की संख्या में उड़ा दिया। यह मिसाइल इतनी प्रभावी रही कि इसे टैंक किलर भी कहा जाने लगा। रूसी टैंक ऊपर से हमला करने का मुकाबला नहीं कर पाते। यही वजह है कि पूरी दुनिया में इस मिसाइल की तारीफ जमकर हो रही है। भारत के पास इस मिसाइल के आने से यह चीन और पाकिस्तान की सीमा पर काम आएगी। पहाड़ी इलाके जैसे कि लद्दाख में यह टैंक रोकने के लिए काफी उपयोगी होगी। पैदल सैनिकों को मजबूत बनाएगी और अब दुश्मन के टैंक आने पर डरने की जरूरत नहीं होगी। पाकिस्तान के पास भी चीनी टैंक है। इसलिए यह मिसाइल पाकिस्तान के खिलाफ भी काफी असरदार होगी। चीनी टैंकों की क्षमता पर पहले से ही सवाल रहे हैं। ऐसे में जमीनी लड़ाई के दौरान भी इस मिसाइल से भारतीय सेना पाकिस्तान के चीनी टैंकों का कब्रगाह बना सकती है। एचजे 11 और 12 है। यह चाइनीज जैवलिन है। इसकी रेंज 3-4 किमी तक है। एचजे-12 'सॉफ्ट लॉन्च' क्षमता रखती है। इसे कई लोकेशन से दागा सकते हैं। एलएसी पर ये तैनात हैं। बराबरी का कोई हथियार नहीं। चीन आयातित एंटी-टैंक बख्तर शिकन हैं। जैवलिन की तरह फायर-एंड-फॉरगेट नहीं है। ऑपरेटर को लक्ष्य पर लॉक रहना पड़ता है। रेंज 2-3 किमी है।

11 सूत्रीय मांगों को लेकर चौपाटी मैदान में कर्मचारियों का हल्ला बोल, तीन दिवसीय हड़ताल शुरू

कोण्डागांव। मोदी की गारंटी लागू करो के नारे के साथ सोमवार से छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के बैनर तले तीन दिवसीय प्रदेशव्यापी कलम बंद-काम बंद आंदोलन का आगाज हो गया है। कोंडागांव नगर के चौपाटी मैदान में जिले भर के सैकड़ों कर्मचारी और अधिकारी अपनी 11 सूत्रीय लंबित मांगों को लेकर धरने पर बैठ गए हैं।

प्रमुख मांगें जिन पर अड़े हैं कर्मचारी : आंदोलनकारियों का कहना है कि शासन द्वारा उनकी मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है। फेडरेशन की मुख्य मांगों में शामिल हैं। महंगाई भत्ता केंद्र के समान देय तिथि से एरियर सहित भुगतान। वेतन विसंगति पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक कर लिपिकों, शिक्षकों और स्वास्थ्य कर्मियों की विसंगतियां दूर करना। नियमितीकरण दैनिक वेतनभोगी और संविदा कर्मचारियों को नियमित करना। अन्य मांगें 300 दिनों का अर्जित अवकाश नगदीकरण, कैशलेस चिकित्सा सुविधा और अनुकंपा नियुक्ति के नियमों में सरलीकरण। कामकाज पर असर यह हड़ताल 29 से 31 दिसंबर तक चलेगी। सामूहिक अवकाश लेकर आंदोलन में शामिल होने के कारण तहसील कार्यालय, जनपद पंचायत और अन्य सरकारी दफ्तरों में सन्नाटा पसरा है, जिससे आम जनता के काम प्रभावित हो रहे हैं। कर्मचारी नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि इस निर्णायक चरण के बाद भी मांगें पूरी नहीं हुई, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

पूर्व नपा अध्यक्ष मृणाल राय के नेतृत्व में मलकानगिरी पीवी-26 के बेघर परिवारों के लिए राहत दल रवाना

किरंदुल। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मृणाल राय के नेतृत्व में सोमवार को एक सामाज सेवी दल राहत सामग्री वाहन के साथ, उड़ीसा प्रांत के ग्राम मलकानगिरी (पीवी-26), जहाँ हालिया आपदा के कारण बेघर हुए परिवारों को राहत सामग्री एवं आर्थिक सहायता प्रदान करने हुई रवाना। इस पहल का उद्देश्य आपदा से प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत पहुँचाकर उनकी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करना है। राहत अभियान के तहत पीड़ित परिवारों को कंबल, बच्चों के परिधान, आवश्यक खाद्य सामग्री के साथ-साथ नकद सहायता वितरित की जाएगी। वितरण से पहले यह सुनिश्चित किया गया कि महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता मिले, ताकि सर्दी के मौसम में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस मानवीय प्रयास में कई समाजसेवियों एवं संगठनों का सक्रिय सहयोग रहा। विपुल राय, बप्पी मजुमदार, अशोक सिंह सेंगर (बचेली), विमल सरकार, सुरेंद्र नायर, आर.सी. नाहक, शैलेंद्र सिंह (पूर्व पालिका अध्यक्ष), पंकज बनिक (बचेली), आशीष सिन्हा, गोपाल मंडल, मुकेश साहा, अशोक हालदार, अमित राय, राजू हालदार, अनिमेष दत्ता, संदीप जायसवाल, स्वरूप गोस्वामी सहित राजू हालदार एवं आनंद सिंह युवा ग्रुप ने सामग्री एकत्र करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा सत्संग मंदिर, किरंदुल की ओर से भी राहत राशि प्रदान कर अभियान को मजबूती दी गई। इस दौरान महिला विंग की सक्रिय भागीदारी भी देखने को मिली। इस अवसर पर राजेंद्र मृणाल राय, तुलसी राय एवं रिंकू राजवंशी उपस्थित रही। इस मौके पर मृणाल राय ने कहा कि आपदा की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा होना हम सभी का सामाजिक दायित्व है। आगे भी आवश्यकता पड़ने पर हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

मोदी की गारंटी लागू करवाने फेडरेशन ने किया कलमबंद एवं काम बंद हड़ताल

सुकमा। सुकमा जिले में कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन ने अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर आज काम बंद करो, कलम बंद करो विरोध प्रदर्शन शुरू किया है। यह विरोध 31 दिसंबर तक जारी रहेगा।इसी तारतम्य में विकासखण्ड छिंदगढ़ के भी हजारों कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं उनका कहना है कि सरकार द्वारा उनकी लंबे समय से लंबित मांगों पर ध्यान न देने के कारण कर्मचारियों और अधिकारियों को यह कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

29 से 31 दिसंबर तक ठप रहेगा काम - कर्मचारी करेंगे तीन दिवसीय हड़ताल -फेडरेशन के ब्लॉक संयोजक नशीब खान एवं मीडिया प्रभारी कृष्ण कुमार पुजारी ने कहा कि सुकमा जिले के ब्लॉक मुख्यालय सुकमा,कोंटा,छिंदगढ़ एवं तहसील मुख्यालय दोरनापाल में 29,30 एवं 31 दिसम्बर 2025 को धरना प्रदर्शन एवं रैली का आयोजन किया जाएगा।

सरकार ने नहीं की कोई ठोस कार्रवाई - फेडरेशन के पदाधिकारियों का कहना है कि सरकार लंबे समय से कर्मचारियों की जायज़ मांगों को नज़रअंदाज़ कर रही है। बार-बार ज्ञापन, मीटिंग और बातचीत के बाद भी कोई ठोस फैसला नहीं लिया गया है। इस अनदेखी और बेरुखी के खिलाफ अब कर्मचारियों ने निर्णायक आंदोलन का रास्ता चुना है। फेडरेशन के अधिकारियों ने बताया कि पूरे राज्य में आंदोलन की पूरी रणनीति बना ली गई है। इससे पहले 22 अगस्त को जिला स्तर पर एक दिन का विरोध प्रदर्शन किया गया था, लेकिन सरकार ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। सिर्फ आश्वासन ही दिए गए। इसलिय मजबूर और त्रस्त होकर हड़ताल का निर्णय लिया गया है।

धान उपार्जन केंद्रों में किसानों की समस्याओं को दूर करने की मांग, कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

बीजापुर। खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के धान उपार्जन केंद्रों में किसानों को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इन समस्याओं के समाधान के लिए जिला कांग्रेस कमेटी बीजापुर ने जिले के नैमेड धान खरीदी केंद्र में धरना प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर किसानों को तत्काल राहत प्रदान करने की मांग की है। मुख्यमंत्री के नाम सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि धान उपार्जन केंद्रों में प्रतिदिन 5000 क्विंटल धान खरीदा जाये। किसानों को समय पर टोकन जारी नहीं किया जा रहा, जिससे वे काफी परेशान हैं। जिले के सभी उपार्जन केंद्रों में बारदान (बोरों) की कमी है, जिसके कारण किसान अपना धान नहीं बेच पा रहे हैं। इसके अलावा, किसानों के धान बेचने के लिए निर्धारित रकबे को कम कर दिया गया है तथा वन भूमि पट्टाधारियों से धान खरीदी नहीं की जा रही, जिससे किसान परेशान हैं। उपार्जन केंद्रों में किसानों से सोसाइटी के बारदाने में अपना धान भरवाया जा रहा है या फिर प्रति कट्टा 3 रुपये अथवा प्रति क्विंटल 7.50 रुपये हमाली शुल्क नकद देने के लिए मजबूर किया जा रहा है, ऐसा नहीं करने पर धान खरीदी नहीं करने की धमकी दी जा रही है। इन सभी कारणों से क्षेत्र के किसान गंभीर परेशानियों का सामना कर रहे हैं। क्षेत्रीय विधायक विक्रम मंडावी ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि भाजपा सरकार किसानों से धान खरीदी नहीं करने का षड्यंत्र रच रही है। उन्होंने इन समस्याओं का तत्काल निराकरण करने और किसानों को राहत देने की मांग की। कांग्रेस कमेटी ने शासन-प्रशासन से उपरोक्त समस्याओं का तत्काल निराकरण कर किसानों को राहत प्रदान करने की मांग की है। इस दौरान जिलाध्यक्ष लालू राठौर, नीना रावतिया, सोमारू कश्यप, लच्छू राम मीडियामी, शंकर जुंडमारे, सुखदेव नाग, बबलू खत्री, सोनू पोटाम, दिनेश पुजारी, नकुल सिंह, मनधर नाग, संजना चौहान, प्रवीण डोंगरे सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कर्मचारी अनुदान समिति एवं ग्रामीण युवा संगठन ग्राम दाड़िया के द्वारा वार्षिक उत्सव-2025 का आयोजन

कोंडागांव। जिला कोंडागांव अंतर्गत ग्राम दाड़िया के स्कूल मैदान में ग्रामीण वार्षिक खेल प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।÷ग्राम विकास में भागीदारी के तहत एक प्रयास कर्मचारियों की÷ के तत्वावधान में आयोजित ग्रामीण खेल प्रतियोगिता 2025 में ग्राम दाड़िया के युवाओं,आंगनबाड़ी,प्राथमिक शाला,माध्यमिक शाला के बच्चों सहित ग्राम के 70 से 85 वर्ष आयु तक के सैकड़ों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में युवाओं और बच्चों के द्वारा बस्तरिया,छत्तीसगढ़ी और पारंपरिक लोकगीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुति ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।वहीं कोण्डागांव जिले के निवासी जादूगर किसलय साहू के जादुई करतब ने खूब वाहवाही बटोरी,जिसका सभी ने भरपूर आनंद उठाया।विशिष्ट अतिथि जनपद पंचायत उपाध्यक्ष टोमेन्द्र सिंह ठाकुर,उमरगांव के सरपंच रूपती मरकाम,उप सरपंच ललित मरकाम,खेमचन्द नेताम पूर्व जिला पंचायत सदस्य की उपस्थिति में एकदिवसीय खेल के दौरान 50 और 100 मीटर दौड़,खो-खो,कबड्डी,व्हालीवाल,मटका फोड़,गोला फेंक,सुरीली कुर्सी और रस्सा खींच में युवाओं और बच्चों सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने हिस्सा लिया।आयोजन में 40 से 50 वर्ष वर्ग की महिलाओं के द्वारा पारंपरिक साड़ी पहनकर खो-खो और शानदार कबड्डी के खेल ने नारीशक्ति के रूप में एक नायाब मिसाल पेश किया।कर्मचारी अनुदान समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार शार्दुल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह ग्राम विकास में भागीदारी के लिए निःस्वार्थ भाव से ÷एक छोटी सी प्रयास कर्मचारियों की÷ ध्येय वाक्य लेकर,दाड़िया के निवासी कर्मचारियों द्वारा ÷कर्मचारी अनुदान समिति-दाड़िया÷ का परिकल्पना कर गठन किया गया है जो 2016 से अनवरत जारी है।

भाजयुमो ने फूंका सनातन विरोधी बघेल का पुतला

कोण्डागांव। भारतीय जनता युवा मोर्चा ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं सनातन विरोधी भूपेश बघेल का आज प्रदेश भर में पुतला दहन किया। कांग्रेस पार्टी के नेता हमेशा सनातन धर्म और साधु-संतों का अपमान करते रहे हैं। इस दौरान भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा ने कहा कि सनातन धर्म का विरोध पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ कई कांग्रेसी नेताओं ने किया है। भूपेश बघेल अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा एवं पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री का विरोध कर रहे है इससे स्पष्ट होता है कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं को इनका विरोध करने का स्क्रीप्ट किसी ने दिया हो। उन्होंने कहा कि रामसेतु की जब बात आई तब कांग्रेसियों ने कहा कि यह काल्पनिक है, भगवान राम को कांग्रेसियों ने काल्पनिक कहा। राम मंदिर बनने और आमंत्रण मिलने के बाद भी गांधी-परिवार दर्शन करने नहीं गया। भाजयुमो जिलाध्यक्ष नागेश देवांगन ने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने हमारे संत महात्माओं को लगातार अपमानित किया हैं, हमारे साधु-संतों का अपमान किया हैं। पंडित प्रदीप मिश्रा का प्रवचन सुनने और शिव-भक्ति के लिए गाँव-गाँव, गली-गली में आबाल-वृद्ध नर-नारी उमड़ पड़े हैं। हमें गर्व है कि धीरेंद्र शास्त्री भगवान बागेश्वर धाम की महिमा बता रहे हैं। उन्होंने सनातन को जागृत करने का काम किया हैं। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण कराने वालों से दिल्ली में मुलाकात कर उन्हें संरक्षण देने वाले को सनातन धर्म एवं हमारे साधु-संतों पर बोलने का अधिकार नहीं है और यही कांग्रेस पार्टी जो लगातार सनातन का विरोध करती है वे अब कुछ राज्यों तक ही सीमित हो गए है और आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी कहीं नहीं होगी।

नाबालिग को बहला फुसलाकर ले जाने वाले आरोपी को मर्दापाल पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोण्डागांव। 14 अक्टूबर थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसका नाबालिग बहन उम्र 16 वर्ष 02 माह को कोई अज्ञात व्यक्ति के द्वारा बहला-फुसलाकर भगाकर ले गया है। प्रार्थी क रिपोर्ट पर थाना मर्दापाल में गुम इंसान क्रमांक 10/2025, तथा अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 23/2025 धारा 137(2) बीएनएस कायम कर विवेचना मे लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा (प्ै) के द्वारा तत्काल नाबालिग के संबंध में पता साजी हेतु निर्देश प्राप्त हुआ। जिसके पश्चात अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल के मार्गदर्शन में एवं अनुविभागीय अधिकारी सतीश भार्गव के पर्यवेक्षण में गुम नाबालिक का पता तलाश प्रारंभ किया गया। तभी इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों एवं पूछताछ के दौरान जानकारी प्राप्त हुआ कि अंतिम बार गुम नाबालिग को संदेही निलन कोर्राम पिता लच्छमन कोर्राम जाति मुरिया उम्र 18 वर्ष 05 माह साकिन पदेली डोंगरीपारा थाना मर्दापाल जिला कोंडागांव के साथ देखा गया है। जिस पर साइबर सेल के माध्यम से संदेही के संबद्ध में जानकारी प्राप्त किया गया, जिसका लोकेशन तमिलनाडु के मीकानैकेने पट्टी-एम कलाथुर रोड में होना पाया गया। जिस पर थाना मर्दापाल से टीम गठित कर रवाना किया गया, एवं गुम अपहृता को मौके पर से दस्तयाब कर पूछताछ किया गया, जिसने बताया कि शादी का प्रलोभन देकर बहला फुसलाकर नीलन कोर्राम उसे लेकर आया है, और उसके इच्छा के विरुद्ध नाबालिक जानते हुए शारीरिक संबंध बनाया है। जिससे मौके पर आरोपी निलन कोर्राम को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर 29 दिसंबर को माननीय अपर सत्र न्यायाधीश एफटीएससी पॉक्सो न्यायालय कोण्डागांव मे पेश किया गया। सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना मर्दापाल से निरीक्षक राजकुमार सोरी, सउनि नरेश कुमार साहू, प्र.आर. 229 संतराम नायक, महिला प्रधान आरक्षक 07 सुनिता उईके, आरक्षक 964 समीर नेताम, आरक्षक 730 तोषण कश्यप, का गिरफ्तारी में सराहनीय योगदान रहा है।

किरंदुल मुख्य बाजार होगा व्यवस्थित, चेंबर ऑफ कॉमर्स की मांग पर एनएमडीसी सिविल प्रमुख का दौरा

किरंदुल। किरन्दुल नगर के एकमात्र साप्ताहिक बाजार के विस्तार,सुव्यवस्थित संचालन एवं मूलभूत सुविधाओं के विकास को लेकर किरंदुल चेंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा एनएमडीसी प्रबंधन से की गई मांग पर सकारात्मक पहल देखने को मिली हैं। इसी क्रम में सोमवार एनएमडीसी के सिविल प्रमुख एसके पांडे एवं महेश सम्बेटा ने किरंदुल मुख्य बाजार का विस्तृत निरीक्षण किया।विदित हो कि किरंदुल का साप्ताहिक बाजार न केवल नगरवासियों बल्कि आसपास के दूरस्थ आदिवासी अंचलों से आने वाले ग्रामीण व्यापारियों और किसानों के लिए आजीविका का प्रमुख साधन हैं। बाजार में बढ़ती भीड़, सीमित स्थान के कारण व्यापारियों और ग्राहकों दोनों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं को लेकर पूर्व में किरंदुल चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों ने एनएमडीसी प्रबंधन से मुलाकात कर बाजार में आने वाले आदिवासी ग्रामीण व्यापारियों के लिए सुरक्षित एवं स्थायी शेड/किओस्क निर्माण, सब्जी विक्रेताओं एवं अन्य फुटकर व्यापारियों के लिए व्यवस्थित स्थल आवंटन, तथा बाजार के समग्र विकास एवं विस्तार की मांग रखी थी। चेंबर की इसी मांग पर संज्ञान लेते हुए एनएमडीसी सिविल विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर बाजार क्षेत्र का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों ने बाजार में व्याप्त अव्यवस्था, यातायात बाधा,अस्थायी दुकानों की समस्या, बारिश एवं धूप से व्यापारियों को होने वाली परेशानी सहित अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों की जानकारी दी। इस अवसर पर किरंदुल चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष ओम सोनी, सचिव राज प्रसाद, उपाध्यक्ष संजय सोनी, सुषमा साहू, सहसचिव शेखर दत्ता, कोषाध्यक्ष विशाल जैन सहित चेंबर के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहें।

दंतेवाड़ा योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के चार खिलाड़ी 6वीं राष्ट्रीय योगासन चैंपियनशिप में शामिल होंगे

दंतेवाड़ा। ध्रुव ग्लोबल, संगेमर अहिल्या नगर (महाराष्ट्र) में दिनांक 30 दिसम्बर से 2 जनवरी तक आयोजित राष्ट्रीय चैंपियनशिप के अलग-अलग इवेंट में छत्तीसगढ़ योगासन स्पोर्ट टीम में दंतेवाड़ा जिला के चार प्रतिभागी प्रतियोगिता में शामिल होंगे।

(सीनियर-बी उम्र समुह- 35 से 45 वर्ष) महिला वर्ग में जहां सुपाइन इवेंट के लिए किरंदुल की शशिकला मिश्रा भाग लेंगे तो वहीं पुरुष वर्ग में हैंड बैलेंस इवेंट में नरोत्तम सिंह ध्रुव,ट्रेडिशनल एवं फारवर्ड बैंड इंवेंट के लिए गोरखनाथ यादव जी तथा (सब- जूनियर उम्र समुह- 10 से 14 वर्ष) फॉरवर्ड बेंड इवेंट के लिए सुशांत यादव प्रतियोगिता में भाग लेंगे।योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भगत राम साहू ने रविवार बताया कि खिलाडियों ने जिला एवं राज्य में शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए अपना स्थान पक्का किया हैं।यह योगासन स्पोर्ट्स के इतिहास में पहली बार हुआ हैं कि दंतेवाड़ा जिले से पहली बार एक नही चार चार खिलाडियों का चयन राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में हुआ हैं।राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में इस वर्ष खिलाडियों ने 6 गोल्ड मेडल और 5 कांस्य पदक जीते थे।सचिव छबिल साहू ने बताया कि खिलाडियों के इस प्रदर्शन से दंतेवाड़ा जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के साथ साथ पूरे योगासन प्रेमियों में नई ऊर्जा और खुशी की लहर हैं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि से क्षेत्र में योगासन खेल को और बढ़ावा मिलेगा। खिलाडियों की इस उपलब्धि में शासन, प्रशासन, एनएमडीसी प्रबन्धन किरंदुल, एएम/ एनएस लिमिटेड किरंदुल, बैलाडीला योग समिति एवं विद्यालय प्रबन्धन का विशेष योगदान रहा हैं।

मिशन संचालक ने विभागीय कार्यों की समीक्षा की

कोण्डागांव। मिशन संचालक जितेन्द्र शुक्ला द्वारा रविवार को विश्राम गृह कोंडागांव में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की विभागीय बैठक ली गई, जिसमें जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति और विद्युत कनेक्शन की की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने प्रगतिरत कार्यों को समय सीमा में पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने दिए निर्देशित किया। तत्पश्चात उन्होंने कोंडागांव ज़िले के ग्राम पंचायत नगरी ग्राम नगरी में जल जीवन मिशन के तहत किए गए कार्यों का निरीक्षण। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान ग्राम नगरी में टंकी आधारित नल जल प्रदाय योजना, हर घर नल कनेक्शन, पाइपलाइन नेटवर्क तथा अन्य तकनीकी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई, जिसमें अधिकारियों ने सरपंच विक्रम बघेल एवं हितग्राहियों से सीधे चर्चा कर योजना से मिल रहे लाभों की जानकारी ली और ग्रामीणों को योजना से लाभान्वित 158 घरेलू कनेक्शन के संचालन एवं संधारण के तरीकों से अवगत कराया, ताकि स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की व्यवस्था लंबे समय तक सुचारु बनी रहे।

संक्षिप्त समाचार

दीपका में शराब भट्टी के आहते में युवक की संदिग्ध मौत जांच में जुटी पुलिस

कोरबा। जिले के दीपका थाना क्षेत्र अंतर्गत देसीदृअंग्रेजी शराब भट्टी के पास बने आहते में सोमवार सुबह एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की खबर फैलते ही इलाके में हड़कंप मच गया और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान कृष्ण कुमार निराला (55 वर्ष) के रूप में हुई है। वे एसईसीएल के कर्मचारी थे और ऊर्जा नगर कॉलोनी, दीपका के निवासी बताए जा रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कृष्ण कुमार सोमवार को सुबह करीब 11 से 12 बजे के बीच शराब लेकर भट्टी परिसर स्थित आहते में पहुंचे थे, जहां उन्होंने शराब का सेवन किया। कुछ ही देर बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और वे वहीं गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें संभालने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।स्थानीय लोगों का कहना है कि कृष्ण कुमार ने शराब पी थी, लेकिन अचानक हुई मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पा रहा है, जिससे मामले को लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं। घटना की सूचना मिलते ही दीपका थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद से क्षेत्र में दहशत और चर्चा का माहौल बना हुआ है।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर पुलिस ने कसा शिकंजा

कोरबा। नववर्ष को सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाने के उद्देश्य से कोरबा पुलिस ने 22 से 28 दिसंबर के बीच जिलेभर में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान सड़क सुरक्षा, यातायात अनुशासन और आम नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर विशेष निगरानी रखी गई। अभियान के तहत कुल 79 वाहनों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के अंतर्गत कड़ी कानूनी कार्रवाई की गई।जिले के विभिन्न थाना व चैकी क्षेत्रों में लगाए गए चेकपोस्ट और मोबाइल पेट्रोलिंग टीमों ने दिन-रात जांच की। पुलिस ने स्पष्ट किया कि नशे की हालत में वाहन चलाने पर किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी और हर उल्लंघन पर कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।नाइट चेकिंग जारी रहेगीकोरबा पुलिस ने बताया कि सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आगे भी नाइट चेकिंग और सघन कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि नववर्ष के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके और नागरिक सुरक्षित आवागमन कर सकें।नागरिकों से कोरबा पुलिस की अपील:-नववर्ष का उत्सव सुरक्षित, संयमित और जिम्मेदारी के साथ मनाएं।शराब पीकर वाहन न चलाएंय यह जानलेवा होने के साथ कानूनन दंडनीय है।दोपहिया वाहन चालक हेलमेट और चारपहिया वाहन में सभी सवार सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करें।तेज गति, ओवरस्पीडिंग और लापरवाही से बचेंय निर्धारित गति सीमा का पालन करें।देर रात यात्रा में अतिरिक्त सावधानी बरतें और यातायात कर्मियों का सहयोग करें।दोपहिया वाहन पर स्टंटबाजीध्खतरनाक स्टंट न करें।महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार की अभद्रता, छेड़छाड़ या हिंसा की सूचना तुरंत पुलिस को दें।किसी भी आपराधिक गतिविधि या संदिग्ध व्यक्ति की

खदौरा हाट बाजार में आयुष विभाग ने निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

कोरिया। जिला कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने निर्देश व मार्गदर्शन में खदौरा हाट बाजार, जिला कोरिया में आयुष विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य आम नागरिकों तक आयुष सेवाओं का विस्तार करना, परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा मौसम अनुरूप आहार-विहार की जानकारी देना था। जिला आयुष अधिकारी डॉ. एलविना ग्रेस टोप्पो ने बताया कि बदलते जीवनशैली, खानपान और अनियमित दिनचर्या की वजह से अनेक बीमारी होने की आशंका बढ़ जाती है। मौसम के उतार-चढ़ाव की वजह से भी बीमारी होते हैं। ऐसे समय में होने वाले बीमारियों के बचाव के उपाय के बारे में आम लोगों को जानकारी दी जाती है और जांच, उपचार तथा निःशुल्क दवाई वितरण भी की जाती है। उन्होंने बताया कि योगाभ्यास के लिए भी आम लोगों को प्रेरित करते हैं। उन्होंने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास करें साथ दैनिक दिनचर्या को सुधार करें। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान स्वास्थ्य जांच, जागरूकता कार्यक्रम एवं निःशुल्क दवा वितरण किया गया। इसमें आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से 87 तथा यूनानी चिकित्सा पद्धति से 52 मरीजों का उपचार किया गया। इस प्रकार कुल 139 रोगियों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गई।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनयम के नाम एवं योजना बदलने के खिलाफ एक दिवसीय धरना प्रदर्शन....

बिलासपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं जिला कांग्रेस कमेटी बिलासपुर के निर्देशानुसार आज महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनयम के नाम एवं योजना बदलने के खिलाफ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बेलतरा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रतनपुर ग्रामीण के द्वारा संयुक्त रूप से एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन ग्राम पंचायत टेकर बस स्टैंड में रखा गया इस धरना प्रदर्शन में बिलासपुर के नव नियुक्त जिला अध्यक्ष माननीय महेंद्र गंगोत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी के 141 वां स्थापना दिवस पर सभी को बधाई दिए और बोला कि गांधी वादी विचारधारा और गोड़से वादी विचारधारा के बीच में लड़ाई है आप सभी को तय करना है कि कौन सी विचारधारा के साथ आप है वहीं नवनियुक्त शहर जिला अध्यक्ष सुधांशु मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि महात्मा गांधी के नाम को विलुप्त कर दिया जो भारत देश के किसानों मजदूरों के साथ कुठाराघात है वहीं विधानसभा प्रत्याशी रहे विजय केसरवानी ने कहा कि जबसे केंद्र में मोदी की सरकार बनी है उनके द्वारा योजना का नाम बदला जा रहा है जनता को राहत पहुंचाने के लिए एक भी योजना नहीं ला पाई है और यहां की विधायक ने सिर्फ घोषड़ा पे घोषणा कर करा है जमीन पर कुछ नहीं, वहीं राजेन्द्र साहू डब्बू ने कहा जबसे बीजेपी के सरकार आया है तब से पूरे भारत में नाम बदलने वाले ही काम कर रही है आज के कार्यक्रम का संचालन बेलतरा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कार्यकारी अध्यक्ष अनिल यादव व शीतल दास मानिकपुर द्वारा किया गया एवं विधानसभा प्रभारी झगर राम सूर्यवंशी धनंजय सिंह ठाकुर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बेलतरा ग्रामीण,

पार्षद सुनील सोनकर, महिला कांग्रेस के प्रदेश महासचिव श्रीमती शिल्पी तिवारी महिला श्रीमती मधु पवन निर्मलकर, राम फ्ल कौशिक, नीरज सोनी, रोहित कौशिक, मनीष सिंगर, मनीष गढ़वाल, सरपंच कुशल वर्मा रूपनारायण बच्छ अकाश यादवअमित यादव लक्ष्मी प्रसाद यादव आभार प्रदर्शन द्वारा किया गया आज के कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महेंद्र गंगोत्री जिला अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी बिलासपुर ग्रामीण सुधांशु मिश्रा जिला अध्यक्ष शहर कांग्रेस कमेटी बिलासपुर विधानसभा बेलतरा प्रत्याशी रहे विजय केसरवानी पूर्व प्रत्याशी डब्बू संरक्षक झगर राम सूर्यवंशी कार्यकारी अध्यक्ष अनिल यादव, शीतल दास मानिकपुरी, झगर राम सूर्यवंशी ,पार्षद सुनील सोनकर, श्रीमती शिल्पी तिवारी ,अमित यादव ,प्रवेश पटवा, लक्ष्मी प्रसाद यादव ,ध्रुव कुमार साहू, बसंत यादव ,गोलू भाई अशोक सूर्य ,नारायण साहू ,पहलाद सूर्यवंशी, जितेन, बीके अजय काले,छुटकू राम साहू, श्यामलाल, किशन पटेल, सुखदेव साहू ,ध्रुव कुमार गहवइ, अमल दास, अनीश यादव, अभिषेक केशरवानी, आकाश यादव, नानू वर्मा, लाल श्रीवास, संजय साहू, दीपक चंद्र, मुकेश कुमार, दिनेश कुमार, संत गढ़वाल, ऋषभ ठाकुर, प्रकाश सिंह ठाकुर, राधेलाल कश्यप, मनहरण लाल महावीर कश्यप , रामचरण कश्यप ,कृष्णा श्रीवास , मदन मोहन पांडे ,मुकेश मरावी, संतोष राज, सुनील दास, कनक निर्मलकर, कुंती श्रीवास, धुलौरी यादव, राम कुमारी रजक, राम कुमारी रजक, कुसुम धीवर।

भारतीय मानिकपुरी पनिका समाज जिला कोरबा का निर्वाचन संपन्न

संतोष दीवान बने अध्यक्ष

बिलासपुर। 28 दिसंबर 2025 को भारतीय मानिकपुरी पनिका समाज का एकदिवसीय सम्मेलन बाकी मोगरा कोरबा किया गया , जिला अध्यक, उपाध्यक्ष ,स सचिव और कोषाध्यक्ष का चुनाव संपन्न कराया गया जिसमें संतोष दीवान अध्यक्ष, अगम दास उपाध्यक्ष, धनेश्वर दास सचिव, शिवदास मानिकपुरी कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए इस अवसर पर माननीय विद्या विनोद महंत राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय मानिकपुरी पनिका समाज माननीय सुखी दास महंत राष्ट्रीय उपाध्यक्ष माननीय शीतल दास महंत पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय संयोजक प्रदेश प्रभारी अध्यक्ष भारतीय मानिकपुरी पनिका समाज छत्तीसगढ़ मुरली महंत जी प्रदेश महासचिव, निर्वाचन अधिकारी रवि शंकर दास महंत के कुशल नेतृत्व में चुनाव संपन्न कराया गया इस अवसर पर हजारों की संख्या में भारतीय मानिकपुरी पनिका समाज के कार्यकर्ता एवं मतदाता ने मतदान किया।

कुदुदण्ड में बनी सड़क चार दिन में उखड़ी पीडब्ल्यूडी की खुली पोल....

बिलासपुर। नगर में पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा कराए जा रहे सड़क मरम्मत कार्यों को हकीकत अब सवालों के घेरे में आ गई है। नगर के कुदुदंड इलाके की सड़क मरम्मत का काम महज चार दिन में ही उखड़ने लगा है. जिससे विभाग की कार्यशैली और गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार कुदुदंड रोड पर लगभग चार दिन पहले सड़क मरम्मत का कार्य कराया गया था। लेकिन यह मरम्मत इतनी घटिया और लापरवाही भरी रही कि सड़क आज चार दिन बाद ही जगह-जगह से उखड़ने लगी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह पूरा काम केवल खानापूर्ति के लिए किया गया। विभाग के जिम्मेदार अधिकारी मौके पर मौजूद नहीं थे और ठेकेदार के कर्मचारियों ने

मनमाने तरीके से काम कर दिया। मोहल्ले के लोगों का कहना है कि अगर ऐसी ही घटिया मरम्मत करानी थी तो सड़ ?क को हाथ ही नहीं लगाना चाहिए था। उनका आरोप है कि पीडब्ल्यूडी विभाग सड़क सुधार के नाम पर सिर्फ सरकारी पैसों की बर्बादी कर रहा है। इससे आम जनता को कोई फायदा नहीं मिल रहा, उल्टा परेशानी और बढ़ गई है। सड़क उखाड़ने से राहगीरों और वाहन चालकों को आए दिन दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों ने यह भी कहा कि यह साफ तौर पर यह भ्रष्टाचार का मामला है। सरकारी खजाने से लाखों रुपए खर्च दिखाए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में काम की गुणवत्ता बेहद खराब होती है। यही कारण है कि कुछ ही दिनों में सड़क की हालत पहले से भी बदतर हो जाती है। गौरतलब है कि इससे पहले भी जनप्रतिनिधियों ने सड़क मख्मत कार्यों की गुणवता को लेकर आपत्ति दर्ज कराई थी।

शहर में ध्वनि प्रदूषण फैलाने वालों पर की गई कार्यवाही

बिलासपुर। जिले में बिना नंबर पोट और मोडिफाइड सायलेंसर लगे वाहनों के विरुद्ध पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। तेज पटाखे जैसी आवाज से ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले बुलेट चालकों के खिलाफ नगर भर में कठोर कदम उठाते हुए कुल 24 बुलेट मेटरसाइकिलों पर वैधानिक कार्रवाई की गई है। पिछले दिनों ह्यूमन राईट एक्टिविस्ट सुरेश सिंह बैस ने कलेक्टर को आवेदन देकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग भी की थी जिसके परिपेक्ष्य में वरिष्ठ स्तर पर मिले निर्देशों के तहत जिले के थानों में पुलिस टीमों ने सघन वाहन जांच अभियान चलाया। अभियान का मुख्य उद्देश्य बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाने और मॉडिफाइड सायलेंसर लगाकर शोर मचाने वाले चालकों पर कार्रवाई करना था। जांच के दौरान पाया गया कि कई युवक मॉडिफाइड सायलेंसर वाले बुलेट चलाकर पटाखे जैसी आवाज उत्पन्न कर रहे थे, जिससे आम नागरिकों, बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को विशेष रूप से परेशानी हो रही थी। ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की गई। सिविल लाइन क्षेत्र 10 बुलेट मोटरसाइकिलें, सरकंडा क्षेत्र 07 बुलेट मोटरसाइकिलें, तारबहार क्षेत्र- 02 बुलेट मोटर साइकिलें, सकरी क्षेत्र-01 बुलेट मोटर साइकिल, तोरणा क्षेत्र-02 खुलेट मेटरसाइकिलें, कोतवाली क्षेत्र 02 बुलेट मोटरसाइकिले, कुल मिलाकर पूरे जिले में 24 बुलेट मोटरसाइकिलों पर कार्रवाई की गई।

भांचादान में मिले भूमि को अवैध कब्जा से मुक्ति दिलाने आदिवासी किसान की फरियाद

बिलासपुर। 30 दिसम्बर 2025 को कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर नगर निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे एवं जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल ने जनदर्शन में सुनवाई की। सैकड़ों लोग अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर साप्ताहिक जनदर्शन में पहुंचे। अधिकारी द्वय ने एक-एक आवेदन को पढ़-समझकर अधिकारियों को जरूरी कार्रवाई के निर्देश दिए। एग्रीस्टेक पंजीयन एवं रकबा छूट जाने को लेकर ज्यादातर किसानों ने आवेदन दिए। कोनी निवासी आदिवासी किसान पुरूषोत्तम गोंड़ ने भांचादान में ग्राम गतौरा में मिले जमीन को बेजा कब्जा से मुक्त कराकर वापस दिलाने के लिए आवेदन दिया। एसडीएम को उनका आवेदन भेजकर इस पर

तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। किसान पुरूषोत्त्म के अनुसार गतौरा के नारायण राठौर और उनके दो पुत्र डेढ़ दशक से उनके जमीन में अवैध कब्जा किये हुए हैं। जनदर्शन में तखतपुर के ग्राम गुटेना निवासी रामायण श्रीवास ने आवेदन देकर आवास योजना की तीसरी किश्त दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि किश्त मिलने की प्रत्याशा में कर्ज लेकर अपना मकान पूर्ण किया है। दो साल बित जाने के उपरांत भी तीसरा किश्त नहीं मिल पाया है। तखतपुर के जनपद पंचायत सीईओ को इसकी जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। गनियारी के किसान मोहनलाल साहू ने गिरदावरी की रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि हलका पटवारी द्वारा फसल विवरण में धान फसल का उल्लेख नहीं किया गया है, जिसके कारण एग्रीस्टेक पंजीयन के बाद भी वे फसल नहीं बेच पा रहे हैं। तहसीलदार सकरी को उनका आवेदन प्रेषित कर तत्काल प्रविष्टि दर्ज करने के निर्देश दिए गए। मस्तुरी के ग्राम भगवानपाली के किसान लाल बहादुर राय को आरटीओ में पंजीयन के डेढ़ साल बाद भी अपनी ट्रेक्टर का आरसी बुक प्राप्त नहीं हो रहा है। सीइओ ने आरटीओ को तत्काल किसान का आरसी बुक भेजने को कहा है। तालापारा के मरार गली निवासी श्रीमती प्रीति गांगवने ने ज्ञापन सौंपकर निवास के लिए अटल आवास की मांग की। उन्होंने आवेदन में बताया कि उनके पति द्वारा उन्हें छोड़ दिये जाने के कारण बच्चों के साथ किसी तरह जीवन-यापन कर रही है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 (अप्रैल-नवम्बर) में वाणिज्य विभाग की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

बिलासपुर। यात्रियों को आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट जारी करना, गाडियों में टिकट जांच करना, आरक्षण तथा गाडियों के चलने संबंधी पूछताछ, दावों तथा जन शिकायतों का निपटारा, यात्रियों को खानपान सेवा उपलव्ध कराना, यात्री सुविधाएं उपलव्ध कराना, उपलव्ध यात्री सुविधाओं में सुधार एवं विकास, विपणन तथा विक्रय जैसे महत्वपूर्ण कार्य वाणिज्य विभाग द्वारा संपादित किया जाता है। मंडल रेल प्रबंधक के कुशल मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के नेतृत्व में मंडल वाणिज्य विभाग द्वारा अपने समर्पित रेलकर्मियों के सतत् एवं अनुशासित प्रयास से वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के माह अप्रैल से नवम्बर 2025 के दौरान उल्लेखनीय उपलव्धियां प्राप्त की गई है इस वित्तीय वर्ष में यात्री सुविधाओं से संबंधित कुल 48 कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है, जिनकी कुल अनुमानित लागत 418 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त 23 कार्यों के प्रस्ताव प्रक्रियाधीन हैं, जिनकी लागत लगभग 206 करोड़ रुपये है। वहीं 7 महत्वपूर्ण कार्यों की प्रशासनिकअनुमोदन भी प्राप्त हो चुकी है, जिनकी अनुमानित लागत 85 करोड़ रुपये है। इन कार्यों में रायगढ़, उसलापुर एवं अनूपपुर स्टेशनों में द्वितीय प्रवेश द्वार का प्रावधान, स्टेशनों में नए फुटओवर ब्रिज का प्रावधान, उन्नयीकरण व विस्तारीकरण, प्लेटफार्मों का ऊंचाई बढ़ाना, अतिरिक्त प्लेटफार्म शेल्टर, अतिरिक्त बैठक व्यवस्था, प्रतीक्षालयों एवं प्रवेश द्वार का उन्नयीकरण, बेहतर प्रकाश व्यवस्था तथा यात्रियों के लिए अन्य आधुनिक सुविधाओं का विकास आदि शामिल है 7 इन विकास कार्यों का मुख्य उद्देश्य स्टेशनों एवं यात्री सेवा परिसरों में आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करना, यात्रियों के यात्रा अनुभव को और अधिक सुविधाजनक बनाना है। उपलब्ध कराये गए आधुनिक सुविधाएं यात्रियों की सुगम टिकटिंग हेतु मंडल के 19 स्टेशनों में 39 ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन का प्रावधान बुजुर्ग, बिलासपुर स्टेशन में दिव्यांगजन, महिलाओं, बच्चों सहित जरुरतमंद यात्रियों की बेहतर सुविधा हेतु स्टेशन प्रवेश द्वार तथा पार्किंग तक 04 निःशुल्क बैटरी कार की सुविधा । अनूपपुर स्टेशन में यात्रियों को मिलेगी किफायती मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण जन औषधि सुविधा हेतु प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र की स्थापना बिलासपुर एवं उसलापुर रेलवे स्टेशन पर ऑटोमेटेड वेंडिंग मशीन की आधुनिक सुविधा बिलासपुर स्टेशन में यात्रियों के सामानों की उच्च स्तरीय सुरक्षा हेतु स्मार्ट डिजिटल लॉकर की सुविधा बिलासपुर स्टेशन में यात्रियों की शहर तक बेहतर यातायात सुविधा हेतु रैपिडो राइड हेलिंग सेवा का प्रावधान दिव्यांगजन अपने घर से ही दिव्यांग रियायत कार्ड के लिए आवेदन कर सके इस हेतु दिव्यांग रेल रियायत पहचान कार्ड बनाने की प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया गया है 7 अब तक कुल 2964 दिव्यांग रेल रियायत पहचान कार्ड जारी किए जा चुके हैं । यात्रियों को घर बैठे पार्सल बुकिंग, कलेक्शन, डिलिवरी एवं पेकिंग की सुविधा हेतु प्रमोशनल कियोस्क सेवा प्रारंभ की गई है। यात्रियों की सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य 50 टिकट चेकिंग कर्मचारियों एवं स्पेशल टीम को बॉडी वार्न कैमरा एवं वॉकी-टॉकी की उपलब्धता ।पर्यावरण को प्रदूषित करने वाली प्लास्टिक के कचरे का बेहतरीन निपटान प्रबंधन हेतु 03 नई अधिनिक बॉटल क्रशर मशीनें स्थापित की गई है जिसको मिलाकर अब वर्तमान में 06 बॉटल क्रशर मशीनें उपलब्ध हैं । यात्रियों को बेहतर खानपान सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा बिलासपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 01 पर फूड ट्रैक फूड प्लाजा की स्थापना की गई । यात्रियों के चिकित्सीय जाँच की हेतु बिलासपुर स्टेशन परिसर में हेल्थ कियोस्क की सुविधा पारदर्शिता के साथ सुगम पार्किंग सुविधा हेतु उसलापुर रेलवे स्टेशन पर स्मार्ट कार्ड आधारित डिजिटल पार्किंग प्रणाली का प्रावधान

वाहन चालकों को आ रहा फर्जी चालान

बिलासपुर। क्लोन वेबपेज के सहारे ई चालान द्वारा लोगों को चपत लगाने को लेकर परिवहन विभाग ने अलर्ट जारी किया है। लोगों को जागरूक करने के लिए विभाग प्रचार-प्रसार में जुट गया है। विभाग अलर्ट अधिकारिक मैसेज और फेक मैसेज के बारे में लोगों को बताकर धोखाधड़ी से बचने की सलाह दे रहा है। जहां एक ओर तीन सवारी, यातायात नियमों का पालन नहीं करने पर परिवहन व यातायात विभाग द्वारा लगातार चालान भेजा जा रहा है, वहीं इस दौरान फर्जी चालान के मैसेज भी लोगों को मिलने लगे हैं। इस मैसेज के साथ फेक वेबसाइट के लिंक पर क्लिक करते ही लोगों के पैसे कट रहे हैं। जानकारी मिलने पर विभाग ने अलर्ट जारी किया है। परिवहन विभाग द्वारा अपील की गई है कि धोखाधड़ी से बचने के लिए डॉट एपीके फाइल या किसी व्यक्तिगत नंबर पर क्लिक न करें। वहीं वास्तविक चालान की जांच के लिए परिवहन विभाग के आधिकारिक वेबसाइट ई चालान डॉट परिवहन डॉट जीओवीडॉट इन पर जाकर सर्च करें। इस दौरान मोबाइल नंबर की ओटीपी डालने पर चालान का विवरण मिलने की बात कही जा रही है। पंजीकृत मोबाइल नंबर से भी टेक्स्ट मैसेज द्वारा भी चालान की जानकारी हासिल की जा सकती है। परिवहन विभाग ने धोखाधड़ी की शिकायत संबंधित थाने में करने की बात कही है। फर्जी चालान ज्यादातर व्यक्तिगत नंबरों से प्रेषित किया जाता है।

हैंगिंग प्लांट की केयर करने के लिए अपनाएं टिप्स

आजकल घरों में हैंगिंग प्लांट्स लगाने का चलन काफी बढ़ गया है। जहां कुछ वक्त पहले तक लोग अपने घर में स्पेस प्रोब्लम की वजह से हैंगिंग प्लांटर का इस्तेमाल करते थे, वहीं अब यह एक फैशन बन चुका है। अधिकतर लोग अपनी बालकनी से लेकर किचन एरिया में हैंगिंग प्लांटर का इस्तेमाल करते हैं और वहां पर तरह-तरह के पौधे लगाते हैं। इससे वे अपने घर में कम स्पेस में बहुत सारे पौधों को जगह दे पाते हैं। इतना ही नहीं, हैंगिंग प्लांट्स के कारण उनका घर भी बेहद खूबसूरत लगता है। हालांकि, अधिकतर लोग अपने घर में हैंगिंग प्लांट्स तो लगा लेते हैं, लेकिन उनकी सही तरह से केयर नहीं कर पाते हैं। जिससे पौधे सूख जाते हैं और फिर हैंगिंग प्लांटर देखने में भी अच्छे नहीं लगते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे छोटे-छोटे टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप अपने हैंगिंग प्लांट्स की सही ढंग से केयर कर सकते हैं-

हर दिन दें पानी

अगर आपने हैंगिंग प्लांट्स को अपने घर में जगह दी है तो ऐसे में आपको उन्हें हर दिन पानी देना चाहिए। ध्यान रखें कि हैंगिंग प्लांट्स में लगे पौधे जमीन में लगे पौधों की तुलना में अधिक जल्दी सूखते हैं, क्योंकि वे हवाओं के संपर्क में अधिक होते हैं। इसलिए, आपको उन्हें नियमित रूप से पानी देना चाहिए। पानी देने से पहले आप अपनी उंगली एक इंच मिट्टी में डालें। यदि वह सूखी है तो पौधे को पानी दें। लेकिन अपनी हैंगिंग बास्केट में बहुत अधिक पानी भरने से बचें। ओवरवाटरिंग से आपका पौधा सड़ सकता है और खराब हो सकता है।

लाइटिंग का रखें ध्यान

अमूमन लोग हैंगिंग प्लांट्स को कहीं पर भी लटका देते हैं। हालांकि, आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। आप अपने पौधे को ऐसे स्थान पर लटकाएं, जहां पर उचित मात्रा में प्रकाश आता हो।कुछ पौधों को अधिक रोशनी की जरूरत होती है, जबकि अन्य कम रोशनी की स्थिति में पनपते हैं। ऐसे में आपके पौधे को सही मात्रा में प्रकाश मिले, आप हैंगिंग प्लांट्स को उसी के अनुसार हैंग करें।

करें फर्टिलाइज

अपने हैंगिंग प्लांट की बेहतर ग्रोथ के लिए आपको उसे समय-समय पर वाटर सॉल्यूबल फर्टिलाइज देने की जरूरत पड़ती है। इसलिए, आप अपने अन्य पौधों की तरह ही अपने हैंगिंग प्लांट्स को भी उनकी जरूरतों के आधार पर फर्टिलाइज करें। ध्यान रखें कि आप अधिक फर्टिलाइजर डालने से बचें, क्योंकि यह पौधे को नुकसान पहुंचा सकता है।

करें छंटाई

अपने हैंगिंग प्लांट्स की केयर करने, उसकी शेप को मेंटेन करने और नई ग्रोथ के लिए समय-समय पर उसकी छंटाई करना बेहद जरूरी है। इससे हैंगिंग प्लांट की टेढ़ी-मेढ़ी वृद्धि को रोकने में भी मदद मिलती है।

करें रिपॉटिंग

कुछ लोग एक बार हैंगिंग प्लांटर में एक बार प्लांट लगा लेते हैं और बस उसे खाद-पानी देते जाते हैं। लेकिन जैसे-जैसे आपका पौधा बढ़ता है तो यह कंटेनर से बड़ा हो सकता है। इसलिए, जब आपको लगे कि हैंगिंग प्लांटर में आपके पौधे की ग्रोथ पर असर पड रहा है तो ऐसे में उसे रिपॉट करें। आप उसे थोड़े बड़े गमले में दोबारा लगाएं।

पेन होल्डर को किस दिशा में रखना होता है शुभ

घर में किसी भी चीज को रखने के लिए सही दिशा में जानना बेहद जरूरी माना जाता है, वरना इसका असर व्यक्ति के जीवन पर अशुभ पड़ता है और उसे कई तरह की परेशानियों का भी सामना करना पड़ जाता है। ऐसे में कई लोग पेन को लिखने के बाद कहीं न कहीं रख देते हैं और आमतौर पर भारतीय घरों में पेन होल्डर होने के बावजूद उसे सही दिशा में नहीं रखा जाता है। जिससे अशुभ परिणाम झेलना पड़ जाता है।

घर में पेन होल्डर को इस दिशा में रखें

घर में पेन होल्डर को उत्तर-पूर्व दिशा में रखना शुभ माना जाता है। इससे व्यक्ति को पढ़ाई में सफलता (सफलता प्राप्ति उपाय)मिलती है और उसे कभी किसी मुश्किल का सामना नहीं करना पड़ता है। पेन होल्डर सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र माना जाता है। इसलिए अगर आपके घर में पेन

होल्डर में पेन नहीं रखें और इसके अलावा किसी भी दिशा में रखें हैं, तो इसे तुरंत ही हटा दें और होल्डर में ही रखें।

बिना कैप के न रखें पेन

पेन होल्डर में बिना कैप के पेन को नहीं रखना चाहिए। इससे घर में कलह-क्लेश की स्थिति पैदा होती है और व्यक्ति को काम में कभी सफलता नहीं मिलती है। इसलिए भूलकर भी बिना कैप के पेन को पेन होल्डर में न रखें।

इस रंग का रखें पेन होल्डर

अगर आप घर में पेन होल्डर रख रहें हैं, तो नीले रंग का पेन होल्डर रखें। यह शांति और शुद्धता का प्रतीक है। इसलिए पेन होल्डर को रखते समय इन बातों का ध्यान अवश्य रखें।

ऑफिस में पेन होल्डर इस दिशा में रखें

ऑफिस में पेन होल्डर को पूर्व दिशा में रखें। इससे व्यक्ति को कभी भी असफलता का सामना नहीं करना पड़ेगा ।

दीवार पर लगे तेल के निशान हटाने के लिए अपनाएं आसान हैक्स

दिवाली के त्योहार पर दीवार या टाइल्स पर तेल का निशान लगना आम बात है। इसके लिए घरेलू उपाय का इस्तेमाल कर के जिद्दी और चिपचिपी दाग या धब्बे को हमेशा के लिए खत्म किया जा सकता है। अगर इस दिवाली पर आपके घरों में भी दीवार या टाइल्स पर तेल के निशान पड़ गया है, तो इन आसान तरीकों से साफ किया जा सकता है। दिवाली के त्योहार पर दीवारों और टाइल्स पर लगे तेल के दागों को हटाना आसान नहीं होता है, लेकिन लिक्विड डिश वॉश की मदद से आप इन्हें आसानी से हटा सकते हैं।

सबसे पहले, दाग वाली जगह को हल्के से साबुन के पानी से धो लें। फिर, एक कपड़े में थोड़ा सा लिक्विड डिश वॉश लें और उसे दाग पर रगड़ें। कुछ मिनट के बाद, एक नम कपड़े से दाग को साफ कर लें। अगर दाग अभी भी दिखाई दे रहा है, तो इस प्रक्रिया को दोहराएं।

प्रेस या फिर हेयर ड्रायर से कर सकते हैं साफ

दीवारों और टाइल्स पर लगे तेल के दागों को हटाने के लिए प्रेस से या फिर हेयर ड्रायर का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह एक आसान और प्रभावी तरीका है, जो पुराने दागों को भी हटाने में मदद कर सकता है। सबसे पहले, दाग वाली जगह को एक साफ कपड़े से पोंछ लें। फिर, एक पतला कागज का टुकड़ा दाग पर रखें। इसके बाद, प्रेस को मध्यम तापमान पर सेट करें और कागज पर रखें। प्रेस को 10-15 सेकंड के लिए रखें। कागज को हटा दें और देखें कि दाग नम हो कर निकल जाएगा। ऐसे ही हेयर ड्रायर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

बेकिंग सोडा का करें इस्तेमाल

बेकिंग सोडा एक नेचुरल degreaser होता है, जो तेल के दाग हटाने में बहुत कारगर होता है।
बेकिंग सोडा को तेल के दाग पर छिड़कें और कुछ मिनट के लिए ऐसे ही रहने दें। बेकिंग सोडा तेल को सोख लेगा और दाग हल्का हो जाएगा।
उसके बाद, बेकिंग सोडा को हटाने के लिए एक नम कपड़े से दाग को साफ करें।

नींबू का रस:

नींबू का रस एक एसिड के तौर पर काम करता है, जो तेल को तोड़ने में मदद करता है। नींबू के रस को तेल के दाग पर डालें और कुछ मिनट के लिए ऐसे ही रहने दें। उसके बाद, नींबू के रस को हटाने के लिए एक नम कपड़े से दाग को साफ करें।

कपूर:

कपूर एक नेचुरल degreaser है जो तेल के दाग हटाने में बहुत कारगर है। कपूर को तेल के दाग पर रगड़ें और कुछ मिनट के लिए ऐसे ही रहने दें। कपूर तेल को घोल देगा और दाग हल्का हो जाएगा। उसके बाद, कपूर को हटाने के लिए एक नम कपड़े से दाग को साफ करें।

पूजा के फूलों से बनाई जा सकती है धूप बत्ती

पूजा के दौरान इस्तेमाल होने वाले फूल वाकई बहुत खास होते हैं। हम कोशिश करते हैं कि सबसे खूबसूरत और सुगंधित फूलों को भगवान के चरणों में अर्पित कर सकें। पर मंदिर हो या घर फूलों के मुरझाने के बाद या तो उन्हें फेंक दिया जाता है या फिर उन्हें पानी में विसर्जित कर दिया जाता है। दोनों ही मामलों में प्रदूषण बहुत ज्यादा बढ़ता है। त्यौहारों का समय चल रहा है और इस समय में फूलों का इस्तेमाल बहुत ज्यादा होता है। ऐसे में क्या इन्हें फेंक देना सही है?

पूजा के फूलों में सिंदूर, प्रसाद, अगरबत्ती की राख और ऐसी कई चीजें मिक्स होती हैं जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचा सकती हैं। ऐसे में क्यों ना पूजा के फूलों को ही रिसाइकिल किया जाए? आज हम आपको उनसे जुड़े कुछ आसान से हैक्स बताते हैं।

पूजा के फूलों से बनाएं धूपबत्ती- आपके पास किस तरह के फूल हैं उसके हिसाब से घर पर ही पूजा के लिए धूप बत्ती बनाई जा सकती है।

आवश्यक सामग्री- 15-15 अलग-अलग तरह के फूल, 1 तेजपत्ता, 3 कपूर, गूगल, कोयला या गोबर का कंडा (छोटा सा टुकड़ा), हवन सामग्री- चंदन पाउडर, 3 चम्मच घी, 2 चम्मच तिल का तेल , 1 चम्मच शहद लें।

बनाने की विधि - सबसे पहले सूखे फूल कोयला, हवन सामग्री, गूगल, चंदन, तेजपत्ता आदि को ग्राइंड कर लें और तैयार पाउडर को छलनी से छान लें। अब इसमें घी, तिल का तेल, शहद और 1-2 चम्मच पानी मिलाएं। अब इसे आटे की तरह गूंथकर छोटी-छोटी गोली बनाएं और आपकी धूपबत्ती तैयार है। इसे एक-दो दिन सूखने दें और उसके बाद इसे यूज करें।

जानिए कैसे करनी है अपने स्किन टाइप की पहचान

हर त्वचा अलग होती है और अपनी खूबसूरती को बनाए रखने के लिए अलग-अलग स्किन केयर रूटीन की ज़रूरत होती है। इसलिए, यह ज़रूरी हो जाता है कि आप पहचानें कि आपकी त्वचा किस प्रकार की है ताकि आप धूप और गर्मी के इस मौसम में एक सही स्किन केयर रूटीन फॉलो कर सकें। ब्यूटी एक्सपर्ट शहनाज़ हुसैन हेल्थ शॉट्स पर एक समर स्किन केयर गाइड साझा कर रही हैं जो आपकी खास त्वचा को और भी शानदार बना सके। अपनी त्वचा के प्रकार को समझना सही स्किन केयर रूटीन चुनने की दिशा में पहला कदम है, तीन प्रकार की त्वचा होती है:

1 शुष्क त्वचा

अगर आपकी त्वचा शुष्क है तो आपकी त्वचा बेजान लगेगी, आपको आंखों और मुंह के आस-पास महीन रेखाएं दिखाई दे सकती हैं और साथ ही पूरी त्वचा पर सूखापन भी हो सकता है। मौसम में बदलाव से आपकी त्वचा निर्जलित और परतदार महसूस होगी। शुष्क त्वचा के कारण, आप तापमान और जलवायु में होने वाले बदलावों के प्रति संवेदनशील होंगे जो आपकी त्वचा पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं जिससे इसे संभालना मुश्किल हो जाता है।

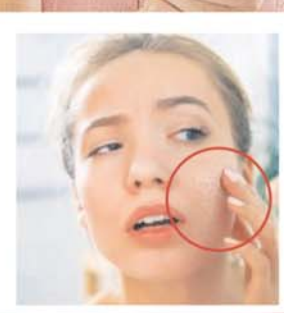

2 तैलीय त्वचा

आपकी त्वचा चमकदार, अत्यधिक तैलीय और खुले रोमछिद्रों वाली दिखाई देती है। अत्यधिक तेल स्राव के कारण, आप पिंपल्स और ब्लैकहेड्स के प्रति संवेदनशील हो सकते हैं। प्रदूषण और पर्यावरणीय कारक पिंपल्स को और बढ़ा देंगे और दिन के अंत में आपकी त्वचा चिपचिपी दिखाई देगी। अक्सर आप अपनी त्वचा पर तैलीय परत का अनुभव करते हैं और एक दिन की यात्रा के बाद घर लौटने पर बहुत अधिक गंदगी को आकर्षित करते हैं।

3 मिश्रित त्वचा

यदि आप अपने माथे और नाक के पुल पर तेल का अनुभव करते हैं, तो आपकी त्वचा का सबसे आम प्रकार, मिश्रित त्वचा है। गर्मियों के दौरान आपको बहुत अधिक तैलीयपन का अनुभव हो सकता है क्योंकि आपकी त्वचा सूरज की क्षति के प्रति संवेदनशील हो जाती है।

गंदे फव्वारे को साफ करने के आसान टिप्स

घर लाख कोशिशों के बाद भी अक्सर गंदा हो जाता है। ऐसा होने पर आप मार्केट से तरह-तरह के प्रोडक्ट्स खरीदते हैं, लेकिन बावजूद इसके घर साफ होने का नाम नहीं लेता है। अब आप बॉथरूम के शावर हैड को ही देख लिजिए, जो अक्सर गंदा होने की वजह से खराब तक हो जाता है। इस आर्टिकल में जानें कि आप शावर हैड को कैसे साफ कर सकते हैं। शावर हैड पर लगी गंदगी को अगर समय पर साफ ना किया जाए तो आपका शावर खराब हो सकता है। ऐसे में आपको बस टूथपिक की मदद से शावर की गंदगी निकाली है। शावर के होल में फंसी हुई गंदगी में आप जैसे ही टूथपिक डालेंगे, सारी गंदगी बाहर आ जाएगी। यह ट्रिक सबसे आसान है और थोड़े से समय में शावर साफ भी हो जाता है।

गंदे शावर हैड को साफ करने का लिक्विड

गंदे शावर हैड को साफ करने के लिए आप घर पर लिक्विड भी तैयार कर सकते हैं। लिक्विड बनाने के लिए आपको चाहिए बेकिंग सोडा और 2 चम्मच सिरका। इन दिनों चीजों को एक बाउल गुनगुने पानी में मिलाएं। इसके बाद आपको इसे स्क्रब की मदद से शावर हैड पर लगाना है। ऐसा करने से आपका शावर हैड चमक उठेगा।

शावर हैड को साफ करने का सबसे आसान तरीका

शावर हैड को साफ करने का सबसे आसान तरीका है कि आपको गर्म पानी करना है। बाउल बड़ा लें जिसमें शावर हैड आ पाए। अब शावर हैड को पानी में डालें और कम से कम आधे घंटे के लिए रखा रहने दें। ऐसा करने से आपका शावर है आसानी से खुद ब खुद साफ हो जाएगा। शावर हैड को कम से कम महीने में 1 बार साफ जरूर करें।

पूरियां तलते वक्त अपनाएं ट्रिक

परफेक्ट पूरियां बनाना किसे अच्छा नहीं लगता है। लेकिन कई बार ऐसा होता कि पूरियां तलते वक्त उसमें ढ़ेर सारा तेल अंदर भर जाता है। जिसे देखकर ही खाने का मन नहीं करता है। क्योंकि वह देखने में ही अनहेल्दी सा दिखता है। ऐसी पूरियों से छुटकारा दिलाने के लिए हम लाएं हैं आपके लिए यह खास टिप्स। जिसकी मदद से आप गोल-गोल ऑयल फ्री पूरी आराम से तल सकते हैं और पूरी फटने या उसमें तेल घुसने की समस्याओं से आपको छुटकारा मिल जाएगा।

आटे को रखें सख्त

जब भी आपको फूली हुई पूरियां चाहिए तो आटे को थोड़ा सख्त गुंथे। पूरियों के आटे को हल्का टाइट गुथेंगे तो इससे कढ़ाई में पूरियां फटती नहीं है और इसमें तेल ज्यादा भरते भी नहीं है। पूरी के लिए जब भी आटा गुंथे तो उसमें तेल या घी जरूर डालें

पूरी के आटे में तेल या घी डालने से यह फटते नहीं है। यह आराम से अच्छे और फूले हुए रहते हैं।

आटे को कवर करके रखें

पूरी का आटा गुथने के बाद उसे खुला न छोड़े उसे एकदम ढककर रखें नहीं तो यह फट भी सकती है। आटा गूंथने के बाद इसे आधा से एक घंटा तक ढक कर रख दें। इससे पूरी फूली और अच्छी बनती है।

लोई में तेल लगाएं

पूरी की लोई में तेल लगाकर ही बेलें। लोई में आटा लगाकर बेलने की गलती बिल्कुल न करें। ऐसा करने से पूरी फटने की गुंजाइस बढ़ जाती है।

पूरी तलने से पहले तेल को अच्छे से गर्म करें

जब भी पूरी तलने के लिए कढ़ाई में तेल निकालें तो उसे अच्छे से गर्म करें। तेल गर्म होने के बाद ही उसमें पूरी डालें ऐसे में पूरी में तेल भरने की गुंजाइस नहीं रहेगी। इसलिए बेले हुए पूरी को तेल में डालने से पहले तेल को अच्छे तरीके से गर्म करें।

मच्छरों को भगाने वाले पौधे लगाएं

मच्छर से बचने के लिए लोग घरो में ऑल आउट या मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती लगाते हैं, लेकिन इन अगरबत्ती का धुआं हर दिन आप आपके शरीर में जाना ठीक नहीं है। अगर आपके घर में छोटे बच्चे हैं, तो उनकी सेहत के लिए यह बिल्कुल ठीक नहीं है। इसलिए आज के इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे पौधों के बारे में बताने वाले हैं, जिनकी मदद से मच्छर आपके घर से दूर ही रहेंगे।

लैवेंडर का पौधा लगाएं

इस पौधे की गंध के पास कोई भी कीट नहीं फटकते हैं। इस पेड़ की पत्तियों से ऐसी महक आती है कि मच्छर या अन्य कोई कीड़े-मकोड़े भी इसके पास नहीं आते। ऐसा कहा जाता है कि इस पेड़ के पास आते ही मच्छर अपनी सूंघने की क्षमता खो देते हैं। इस पौधे को आप दिन में धूप वाले स्थान पर रखें, क्योंकि वहां पर यह अच्छी तरह से ग्रो कर पाते हैं, लेकिन रात में आप इन्हें अपने घर के आंगन में रख सकते हैं। इसके साथ ही आप इसे अपने घर के पास खिड़कियों के पास भी रख सकते हैं। क्योंकि यहां से मच्छर अधिक घर में प्रवेश करते हैं। इसके सिवा आप अपने घर के गेट पर इसे रख सकते हैं, क्योंकि जैसे ही आप शाम के समय घर का दरवाजा खोलते हैं, तो तुरंत मच्छर आपके घर में घुस जाते हैं। लेकिन इस पौधे को लगाने के बाद मच्छर आपके घर के द्वारा पर नहीं मंडराएंगे।

ध्यान रखें ये बातें- घर में पौधे को रखते समय ध्यान रखें कि इसमें अधिक पानी न डालें। ऐसा करने से मच्छर पनप सकते हैं।

रोजमैरी का पौधा

रोजमेरी का पौधा मच्छरों को भगाने में बहुत कारगर होता है। यह पौधा एक प्रकार की जड़ी-बूटी है, इसकी महक से मच्छर दूर भाग जाते हैं। यह मक्खियों और पतंगों को भी दूर भगाता है। यह पौधा गर्म और आर्द्र परिस्थितियों में सबसे अच्छा लगता है। आप इन पौधों को अपने गार्डन एरिया में रख सकते हैं। इसके सिवा आप रात होने के बाद अपने घर के आंगन में इसे रख सकते हैं, या फिर घर में किसी टेबल पर इसे रख सकते हैं। लेकिन आपको एक बात ध्यान रखना है कि सुबह होने पर इसे आप घर के बाहर कर दें। क्योंकि घर के बाहर ही ये पौधा अच्छे से ग्रो कर पाता है।

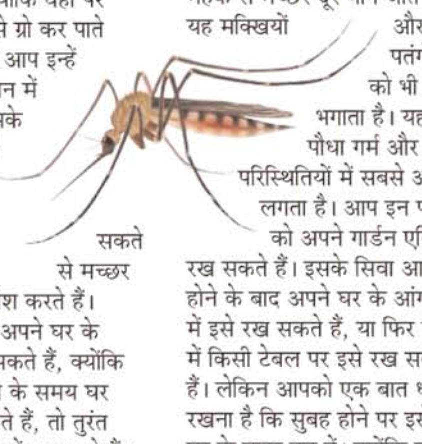

मोदी गारंटी को पूरा कराने आंदोलन महंगाई भत्ता को लेकर कलम बंद हड़ताल

दुर्ग। 'महंगाई भत्ता व राहत को लेकर छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी संघ का तीन दिवसीय कलमबंद हड़ताल पर चले गए हैं। दुर्ग के शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक शाला के सामने 11 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे फेडरेशन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मोदी गारंटी पर सवाल उठाते हुए कहा है कि,प्रदेश के कर्मचारियों को केन्द्र की तिथि से महंगाई भत्ता पूर्व की एरियर्स राशि सहित देने का वादा किया था। इस सरकार का लगभग दो वर्ष का कार्यकाल पूरा हो गया है, किन्तु महंगाई भत्ता के लिए की गई घोषणा, चार स्तरीय समयमान वेतनमान लागू करने क्रियान्वयन तथा सातवें वेतनमान के अनुसार गृहभाड़ा भत्ता सहित अन्य भत्तों के पुनरीक्षण पर अमल नहीं किया जा रहा है । हम अभी भी केन्द्रीय कर्मचारियों से तीन प्रतिशत पीछे हैं। देश के अन्य भाजपा शासित राज्य अपने कर्मचारियों को केन्द्र के समान जुलाई 2025 से महंगाई भत्ते के भुगतान की घोषणा आदेश कर चुकी हैं। इसके साथ ही हमारी सरकार ने प्रदेश के अनियमित एवं संविदा कर्मचारियों को भी कमेटी गठित कर 100 दिनों के भीतर नियमित करने का वादा किया था जिस पर भी निर्णय नहीं लिया गया है। सरकार के कर्मचारियों के लिए की गई घोषणा के सभी मुद्दों को लेकर छत्तीसगढ़ कर्मचारी - अधिकारी फेडरेसन एवं फेडरेसन से संबद्ध संगठनों के सभी सम्माननीय पदाधिकारी गण अपने विभागीय कर्मचारी साथियो सहित तीन दिवसीय कलमबंद हड़ताल पर बैठे हुए हैं। इस मौके पर राजेश चटर्जी संभागीय संयोजक कर्मचारी अधिकारी फेडरेसन दुर्ग,विजय लहरे महामंत्री छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ एवं जिला संयोजक कर्मचारी अधिकारी फेडरेसन दुर्ग, रूपेश कुमार पांडेय जिलाध्यक्ष छत्तीसगढ राजपत्रित अधिकारी संघ-दुर्ग, अनुरूप साहू महासचिव कर्मचारी अधिकारी फेडरेसन दुर्ग, ललित कुमार बिजौरा प्रांतीय सह प्रवक्ता कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन, चंचल द्विवेदी महामंत्री छ0ग0प्रदेश शिक्षक फेडरेशन, टिकेन्द्र वर्मा कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन-पाटन,संजय शर्मा प्रदेश अध्यक्ष नगरीय निकाय छ0ग0कर्मचारी कांग्रेस, हेमसिंग ठाकुर जिलाध्यक्ष लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ-दुर्ग, गजानंन सिन्हा जिलाध्यक्ष आयुष विभाग-दुर्ग, दीपक कुमार देवांगन जिलाध्यक्ष लिपिक वर्गीय कर्मचारी संघ-दुर्ग,प्रदीप सिंह चौहान (बाबा भाई) प्रांतीय उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ,भानु प्रताप यादव जिलाध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ-दुर्ग एवं मीडिया प्रभारी छत्तीसगढ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन दुर्ग,शिवदयाल घृतलहरे सचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ दुर्ग, सुरेश साहू पशु चिकित्सा अधिकारी संध-दुर्ग,गौरीशंकर रावना(शासकीय पालीटेक्निक कालेज-दुर्ग, धर्मेन्द्र देशमुख, सूखेन्द्र देवांगन(जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय दुर्ग),मोतीराम खिलाड़ी जिलाध्यक्ष शासकीय लधुवेतन कर्मचारी संध-दुर्ग, अशोक कुमार गुप्ता जिला आबकारी सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

जामुल शिवपुरी में उमड़ा आस्था का सैलाब श्री राम कथा में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

जामुल । शिवपुरी में आस्था का सैलाब उमड़ा हुआ है.28 दिसंबर से शुरू नौ दिवसीय भव्य श्रीराम कथा में आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। जामुल अहिवारा विधानसभा के अंतर्गत आने वाले जामुल शिवपुरी में आज भक्ति और उत्साह का अभूतपूर्व संगम देखने को मिला। ऐतिहासिक कलश यात्रा के बाद से पूरा नगर 'राममय' नजर आ रहा है। श्रीराम कथा में स्वामी डॉ. राघवाचार्य कथा का वाचन कर रहे हैं।इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू और भाजपा के वरिष्ठ नेता लाभचंद बाफना भी शामिल हुए। इस अवसर पर प्रख्यात कथावाचक स्वामी डॉ. राघवाचार्य जी महाराज अपने मुखारविंद से श्रीराम चरित के प्रसंगों का वर्णन किया ।जिसे सुनकर श्रद्धालु भक्ति के रस में सराबोर नजर आये। महिलाओं और युवाओं में कथा को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन समिति ने सभी भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा का लाभ लेने की अपील की है।

स्टार 11 क्रिकेट क्लब पचभैया ने फाइनल का रोमांचक मैच जीता

बेमेतरा। ग्राम पचभैया में शीतकालीन सत्र के दौरान बाल क्रीड़ा टेनिस क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 32 टीम ने हिस्सा लिए और फाइनल मुकाबला स्टार 11 पचभैया और खंडसरा टाइगर के बीच खेला गया। पचभैया ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया और खंडसरा को बैटिंग के लिए आमंत्रित किया। खंडसरा की टीम 10 ओवर में 93 रन बनाकर ऑल आउट हुए।जिसके जवाब में पचभैया टीम ने 10 ओवर में ही आसान लक्ष्य हासिल कर ली और फाइनल का खिताब अपने नाम कर लिया। इस प्रकार प्रथम पुरस्कार 20001 रुपए पचभैया की टीम एवं द्वितीय पुरस्कार 10001 रुपए खंडसरा की टीम और टूर्नामेंट पर तीसरा स्थान पाने वाले खम्ही के टीम को 6001 रुपये पुरस्कृत किया गया। इस टूर्नामेंट में अपने शानदार प्रदर्शन के बदौलत टिकेंद्र चंद्राकर को मैन ऑफ द सीरीज और फाइनल मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए किरण साहू को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। प्रतियोगिता की पूरी जानकारी भूपेंद्र कन्नौजे और ब्यास चंद्राकर द्वारा दी गई।

बजरंग दल की विभाग बैठक संपन्नः 'बालोपासना' और 'मिलन केंद्र' के विस्तार पर बनी रणनीति

क्षेत्र संयोजक पूर्णेंदु के प्रवास पर संगठनात्मक मजबूती और सनातन धर्म की रक्षा का लिया गया संकल्प

गाजीपुर। बजरंग दल के क्षेत्र संयोजक पूर्णेंदु के गाजीपुर प्रवास के दौरान विभाग की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से जिले में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, मासिक बैठकों के आयोजन और जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

मिलन केंद्र और बालोपासना पर विशेष जोर-बैठक को संबोधित करते हुए पदाधिकारियों ने 'मिलन केंद्र' और 'बालोपासना' (बच्चों में संस्कार और शक्ति का संचार) कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई। क्षेत्र संयोजक ने कहा कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए युवाओं का संगठित होना अनिवार्य है। बैठक में नए और ऊर्जावान कार्यकर्ताओं के नियोजन और उन्हें संगठन की मुख्यधारा से जोड़ने पर भी रणनीति बनी।

प्रमुख पदाधिकारियों की उपस्थिति-बैठक में बजरंग दल काशी प्रांत के सह संयोजक संदीप, प्रांत सह सेवा प्रमुख दिनेश चंद्र पांडेय और प्रांत कार्यकारिणी सदस्य ओंकार नाथ का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। जिला स्तर से अध्यक्ष विपिन श्रीवास्तव, जिला सह मंत्री ओमप्रकाश पांडे और जिला कोषाध्यक्ष आनंद तिवारी ने भी अपने विचार साझा किए।

कार्यकर्ताओं ने लिया संकल्प-बैठक का समापन सनातन धर्म की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर विभाग संयोजक अमित राय, जिला संयोजक रविराज, सह संयोजक शिवकुमार, नगर अध्यक्ष अनुराग चौहान सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य रूप से विद्यार्थी प्रमुख अभिनाश तिवारी, गौ रक्षा प्रमुख विनोद, नगर संयोजक राजन सिंह, जंगीपुर संयोजक रतन चौरसिया, अमन चौरसिया (भदौरा प्रखंड), धर्मेंद्र, प्रदीप, शिव, बेचू और संदीप सहित अन्य पदाधिकारियों ने सहभागिता की।

नकली नोट खपाते पति-पत्नी गिरफ्तार, रानी तराई के बाजार में पुलिस ने पकड़ा,पौने दो लाख रुपए के नकली नोट बरामद

दुर्ग। जिले में नकली नोट छापकर बाजार में चलाने का मामला सामने आया है। पति-पत्नी मिलकर प्रिंटर से नकली नोट छापकर बाजार में खपा रहे थे.जिन्हें पुलिस ने शिकायत पर गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला रानीतराई थाना क्षेत्र का है। दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि आरोपी दंपती कलर प्रिंटर और पेपर ऑनलाइन मंगाया। इसी से पांच सौ, दो सौ और सौ रुपए के नकली नोट छापकर रानीतराई और पाटन बाजार में खपा रहे थे। बताया जाता है कि,आरोपियों ने कई व्यापारियों को नकली नोट देकर सामान भी खरीदा।इसी मामले में एसएसपी ने बताया कि 29 दिसंबर को रानीतराई के साप्ताहिक बाजार में नकली नोट चलने की सूचना पुलिस को मिली जिस पर तत्काल पुलिस पार्टी साप्ताहिक बाजार पहुंची। सूचना की तस्दीक कर नकली नोट चलाने वाले अरूण कुमार तुरंग और उसकी पत्नी राखी तुरंग को पकड़ा। तुलेश्वर सोनकर ग्राम सिलपट थाना भखारा जिला धमतरी ने बताया कि वे और इसकी पत्नी सरिता सोनकर ग्राम रानीतराई के साप्ताहिक बाजार में सब्जी बेचने आये थे। अपना पसरा रानीतराई के बाजार अपना पसरा लगाया था। शाम को लगभग 5.30 बजे इसके पास एक व्यक्ति और एक महिला 500 रूपए का नोट देकर सब्जी खरीदी। कुछ देर बाद मंडी वाले माधव सोनकर ने व्यापारियों को बताया कि बाजार में नकली नोट चल रहा है। तब इसने अपने गल्ला को बारीकी से देखा जो देखने में और छुने से ही नकली नोट लगा। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना रानीतराई में अप.क्र-123/2025, धारा 178, 179, 180, 181 एवं 3(5) बीएनएस आरोपी अरूण तुरंग और राखी तुरंग के विरूद्ध कायम कर विवेचना में लिया गया ।आरोपी अरूण कुमार तुरंग से पूछताछ करने पर नकली नोट छापकर बाजार में चलाना स्वीकार किया। आरोपी ने बताया कि उसने ऑन लाईन कलर प्रिंटर, फोटो कापी और पेपर मंगाया था। 500 रूपये का फोटो कॉपी कर 500 रूपए का नकली नोट छापा और उसे पाटन के बाजार में चलाया। इसी तरह रानीतराई के साप्ताहिक बाजार में चला रहा था। आरोपी 5200रुपए का नकली नोट लेकर रानीतराई में बाजार में खपाने गया था। आरोपी के निवास सोनपैरी, मुजगहन, जिला रायपुर की तलाशी लेकर कलर फोटो कापी मशीन, पेपर एवं 1,65,300 रूपये एवं मौके से जब्त 5200 रूपये कुल 1,70,500 रूपये (500-200-100 रू.) के नकली नोट जब्त किया गया है।प्रकरण में आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

लोकतंत्र प्रहरी मीड़िया ग्रुप एवं एस आर हॉस्पिटल एण्ड कॉलेज के संयुक्त वार्षिक कैलेंडर का बिलासपुर में हुआ विमोचन

बिलासपुर पुलिस कप्तान रजनेश सिंह ने किया विमोचन

बिलासपुर/दुर्ग । एस आर हॉस्पिटल एंड कॉलेज चिखली दुर्ग एवं लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के संयुक्त वार्षिक कैलेंडर वर्ष 2026 का बिलासपुर में जिले के पुलिस कप्तान श्री रजनीश सिंह द्वारा विमोचन किया गया। इस अवसर पर बिलासपुर के पुलिस कप्तान रजनेश सिंह ने लोकतंत्र प्रहरी एवं एस आर हॉस्पिटल एवं कॉलेज चिखली दुर्ग के 2026 वर्ष के संयुक्त कैलेंडर का विमोचन करते हुए कहा कि यह कैलेंडर बहुत ही बेहतर प्रकाशित किया गया है। यह ऑफिशियल कलेंडर अच्छी जानकारी प्रदान कर रहा है एवं साथ में उन्होंने एस आर हॉस्पिटल एण्ड कॉलेज एवं लोकतन्त्र प्रहरी मीडिया ग्रुप को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर कार्यक्रम में श्री रजनेश सिंह एसपी बिलासपुर, हरिभूमि बिलासपुर के संपादक श्री प्रवीण शुक्ला ,सनातन धर्म सभा के राष्ट्रीय संरक्षक श्री विष्णु पाठक, वरिष्ठ पत्रकार कमल शर्मा, श्री संजय नायक वरिष्ठ भाजपा नेता व साथ में लोकतंत्र प्रहरी के संपादक एवं एस आर हॉस्पिटल एंड कॉलेज के चेयरमैन संजय तिवारी सहित अन्य समाज से गणमान्य भी उपस्थित थे।

बच्चों को दी शाबाशी, शिक्षकों को दिए दिशानिर्देश

जिला शिक्षा अधिकारी का आकस्मिक निरीक्षण

दुर्ग। जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द मिश्रा ने शासकीय प्राथमिक/पूर्व माध्यमिक विद्यालय नेवई, उतई, आदर्श नगर उतई, बोरीगारका, बोरीडीह, मातरोडीह, कातरो, रिसामा, अंडा तथा शासकीय हाई/हायर सेकंडरी विद्यालय उतई, कातरो, अंडा, मेडेसरा, ननकट्ठी का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान प्राथमिक शाला उतई में प्रधानपाठक और सभी शिक्षक प्रार्थना स्थल पर सभी विद्यार्थियों को 22 तक के पहाड़ा का अभ्यास कराते मिले। बच्चे पूरी ऊर्जा और ध्यान से दुहराते रहे। पहाड़ा के इस प्रकार के अभ्यास को देखकर डीईओ ने प्रधानपाठक दीप्ति रानी खोब्रागड़े सहित सभी शिक्षको तथा कक्षा चौथी की हंसिका, मानवी और आर्यन को शाबाशी दी और उनकी प्रशंसा की। आदर्शनगर उतई और प्राथमिक शाला उतई में कक्षा खाली देखकर स्टाफरूम में बैठे प्रधान पाठक सहित सभी शिक्षकों के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए उन्हें कक्षा खाली नहीं छोड़ने सख्त हिदायते दी। शासकीय प्राथमिक शाला बोरीगारका में शिक्षक प्रहलाद सिन्हा को बच्चों के साथ मेट पर बैठकर अभ्यास कराते देख डीईओ ने उनके प्रयासों की प्रशंसा की। इसी तरह प्राथमिक शाला मातरोडीह में दो कार्यरत शिक्षकों में एक शिक्षक की ड्यूटी निर्वाचन में लगी है लेकिन वहां उपस्थित प्रधान पाठक रेखराम कोठारी कक्षा पहली से पांचवी तक के बच्चों को पढ़ाते मिले। कक्षा तीसरी के सभी बच्चो को धारा प्रवाह हिंदी वाचन, 15 तक पहाड़ा और बारह खड़ी में अभ्यस्त होने को देखते हुए डीईओ ने शिक्षक की पीठ थपथपाई और सभी बच्चों से ताली बजा उनका स्वागत किया। डीईओ ने बताया कि एक शिक्षक होने के बावजूद रेखराम कोठारी का प्रयास बाकी ऐसे सभी शिक्षको के लिए भी प्रेरणास्पद है जो शिक्षक की कमी का बहाना अक्सर बनाया करते है। कातरो में बच्चो का स्तर कक्षा स्तरीय नही पाया गया। प्राथमिक शाला रिसामा में प्रधान पाठक नरेश ठाकुर की बिना सूचना अनुपस्थिति पर डीईओ ने तत्काल कार्यवाही प्रस्तावित करने निर्देशित किया।

शासकीय हाई/हायर सेकेण्डरी विद्यालय उतई, कातरो, मेडेसरा, ननकट्ठी में बोर्ड परीक्षाओं हेतु डीईओ कार्यालय से भेजे गए प्रश्न बैंक, 5 वर्षो के बोर्ड के प्रश्न पत्रों को हल कराने, उन प्रश्नों के आधार पर टेस्ट परीक्षा आयोजित करने, मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं को विद्यार्थियो को देकर हुई त्रुटियों को सुधरवाने सहित प्रायोगिक परीक्षाओं की तैयारियों के संबंध में आवश्यक निर्देश भी दिए। डीईओ ने चिन्हांकित कमजोर बच्चों को सीमित पाठ्यक्रम से बोर्ड की तैयारी कराए जाने के निर्देश भी दिए।

गायत्री शक्तिपीठ दल्ली राजहरा में स्थापना के 45 वां वर्ष में हुआ एक कुंडीय गायत्री महायज्ञ

दल्लीराजहरा। गायत्री शक्तिपीठ दल्ली राजहरा में 25 दिसम्बर को 45 वां स्थापना दिवस के अवसर पर एक कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया था । विदित हो कि 25 दिसम्बर 1981 को परम पूज्य गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य का दल्ली राजहरा आगमन हुआ था। उनके ही करकमलो से दल्ली राजहरा गायत्री शक्तिपीठ की स्थापना हुई थी। इस पावन क्षण को गायत्री शक्तिपीठ परिवार ने एक कुंडीय यज्ञ संपन्न कर याद किया। पंडित देव प्रसाद आर्य के द्वारा एक कुंडी यज्ञ संपन्न कराया गया। इस अवसर पर हीरालाल पवार (व्यवस्थापक) सोनसाय लटियारे (ट्रस्टी) धर्मपाल नायक (ट्रस्टी) संतोष कोरटिया (ब्लॉक समन्वयक) रेणुका गंजीर (ट्रस्टी) मंजू साहू वीणा साहू (टाउनशिप) दमयंती पवार, विमला गंधर्व, धीरपाल ठाकुर (परिवाजक) दिलेश्वरी की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com